www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

**मौसम**

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

**बाजार**

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 आत्मचिंतन की मांग करता उत्तराखंड, एसओपी के उल्लंघन ने केदारनाथ यात्रा को बनाया असुरक्षित

ट्रम्प की पाकिस्तान आर्मी चीफ से बंद कमरे में मुलाकात 06

वर्ष :17 | अंक :79 | प्रयागराज ,शुक्रवार , 20 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

**संक्षिप्त समाचार**

## कश्मीर के डोडा जिले में ऊंचाई वाले इलाकों पर सेना ने गश्त की

जम्मू कश्मीर में पर्यटन स्थलों को सरकार द्वारा फिर से खोले जाने के बाद सेना के जवानों ने बृहस्पतिवार को डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में जंगलों और पर्वतीय इलाकों में गश्त सहित विभिन्न सुरक्षा उपाय लागू किए। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सेना द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए ये कदम उठाए गए और खासकर तीन जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा की ओर ध्यान केंद्रित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि भद्रवाह के विभिन्न ऊपरी इलाकों में हवाई निगरानी के लिए ड्रोन और रॉकेट लॉन्चर के साथ राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने सुरक्षा अभियान चलाते हुए गश्त की। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच सुरक्षा के तहत विश्वास बहाली के अलावा आतंकवादियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के मकसद से यह अभियान चलाया गया। मिनी कश्मीर के नाम से अपनी पहचान बनाने वाले भद्रवाह में कई पर्यटन स्थल हैं जो साल भर सैकड़ों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

## झारखंड में भारी बारिश के कारण कुआं ढहने से दो छात्र मिट्टी में दबे

झारखंड के खूंटी जिले में भारी बारिश के कारण एक कुआं ढह जाने से दो स्कूली छात्र मिट्टी के नीचे दब गए। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि मुरहू थाना क्षेत्र के तहत मुरहू पंचायत में बुधवार को यह घटना तब हुई जब दोनों छात्र कुएं के नजदीक थे। खूंटी की उपायुक्त आर रॉनिटा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक दल को बचाव अभियान में तैनात किया गया है। बचाव अभियान बुधवार रात से ही जारी है लेकिन मिट्टी में दबे छात्रों का अभी पता नहीं चल पाया है। भारी बारिश के कारण खूंटी के तोरपा में बनाई नदी पर पुल का एक हिस्सा भी ढह गया है जिससे खूंटी-सिमडेगा सड़क मार्ग बाधित हो गया है। रॉनिटा ने बताया कि वहां मार्ग परिवर्तित किया गया है और एनडीआरएफ का दल भी भेजा गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि रांची समेत कई जिलों में भारी बारिश के कारण जनजीवन बाधित हो गया है। भारी बारिश के मद्देनजर बृहस्पतिवार को रांची और खूंटी समेत कई जिलों में स्कूल बंद हैं। एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए दलों को सतर्क किया गया है।

# देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द आएगी शर्म :केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

## ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं; हमारे देश की भाषाओं के बगैर हम भारतीय नहीं

**भाषा विवाद**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब देश का कालखंड घनघोर अंधेरी रात्रि जैसा था, तब भी भक्ति साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीयों को जलाकर रखा था... साहित्य एक प्रकार से हमारे समाज की आत्मा है... आज हम सभी को देश में परिवर्तन दिख रहा है... मुझे विश्वास है कि 2047 तक यह यात्रा निश्चित रूप से हमारे सभी प्रकार के खोए हुए गौरव और समाज को वापस दिलाने का काम करेगी।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भाषा विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक और मोर्चा खोलते हुए कहा कि देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देशी भाषाएं भारत की पहचान के लिए केंद्रीय हैं और उन्हें विदेशी भाषा ओं प र वरीयता मिलनी चाहिए। शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आने लगेगी - ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं रह सकते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब देश का कालखंड घनघोर अंधेरी रात्रि जैसा था, तब भी भक्ति साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीयों को जलाकर रखा था... साहित्य एक प्रकार से हमारे समाज की आत्मा है... आज हम सभी को देश में परिवर्तन दिख रहा है.

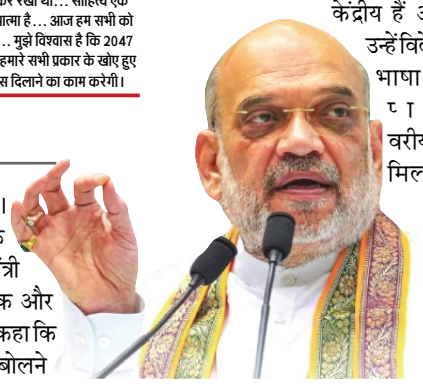

**शाह बोले- 2047 तक हम दुनिया में टॉप पर होंगे**

अमृत काल के लिए पीएम मोदी ने पंच प्रण की नींव रखी है।पांच प्रतिज्ञाएं 130 करोड़ लोगों का संकल्प बन गई हैं। यही कारण है कि 2047 तक हम टॉप पर होंगे और हमारी भाषाएं इस यात्रा में प्रमुख भूमिका निभाएंगी।शाह ने कहा कि इन पांच प्रतिज्ञाओं में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना, गुलामी के हर निशान से छुटकारा पाना, अपनी विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता के लिए प्रतिबद्ध रहना और हर नागरिक में कर्तव्य की भावना जगाना शामिल है।

# ईरान का इजरायल पर काउंटर अटैक

## तेल अवीव समेत कई शहरों में दागी मिसाइल, 1000 वेड वाला हॉस्पिटल भी ध्वस्त

इजरायली मीडिया ने मिसाइल हमले के कारण क्षतिग्रस्त हुईं खिड़कियों और इलाके से उठते घने काले धुएं के फुटेज प्रसारित किए। ईरान ने तेल अवीव में एक ऊंची अपार्टमेंट इमारत और मध्य इजराइल में अन्य जगहों पर हमले किए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। ईरान की एक मिसाइल बृहस्पतिवार तड़के दक्षिणी इजराइल के मुख्य अस्पताल पर गिरी जिससे कई लोग घायल हो गए और व्यापक पैमाने पर क्षति हुई। अस्पताल ने यह जानकारी दी। इजरायली मीडिया ने मिसाइल हमले के कारण क्षतिग्रस्त हुईं खिड़कियों और इलाके से उठते घने काले धुएं के फुटेज प्रसारित किए। ईरान ने तेल अवीव में एक ऊंची अपार्टमेंट इमारत और मध्य इजराइल में अन्य जगहों पर हमले किए। इजरायल की मैगन डेविड एडम बचाव सेवा के अनुसार, इन हमलों में कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं। इस बीच इजरायल ने ईरान के अराक भारी जल रिएक्टर पर हमला किया। ईरान के विशाल परमाणु कार्यक्रम पर यह हमला संघर्ष के सातवें दिन किया गया।

**अस्पताल को ईरान ने बनाया निशाना तो इजरायली रक्षा मंत्री ने दी खुली धमकी, कहा- अब और नहीं रहेगा खामेनेई का वजूद**

बीरशेबा। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि ईरान के नवीनतम मिसाइल हमलों के बाद उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का वजूद अब और नहीं रहेगा। काट्ज का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान ने इजरायल के दक्षिण में स्थित मुख्य अस्पताल पर मिसाइलों से सीधा हमला किया जिसमें कम से कम 40 लोग घायल हो गए। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा, खामेनेई जैसा तानाशाह, जो ईरान जैसे देश का मुखिया है

## आज फिर दो फ्लाइट की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

**लेह जा रहे इंडिगो विमान की दिल्ली वापसी; हैदराबाद-तिरुपति स्पाइसजेट उड़ान भी 10 मिनट बाद लौटी**

ताजा मामला हैदराबाद का है। जब तिरुपति के लिए रवाना होने वाला स्पाइसजेट का विमान बृहस्पतिवार को उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही किसी खराबी के कारण यहां हवाईअड्डे पर लौट आया।

एजेंसी

नई दिल्ली , दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई 2006 तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार सुबह वापस दिल्ली लौट आई। फ्लाइट में क्रू मेंबर्स सहित 180 लोग सवार थे। इसके अलावा स्पाइसजेट फ्लाइट एसजी 2696 भी उड़ान भरने के 10 मिनट बाद वापस लौट गई। ये फ्लाइट हैदराबाद से तिरुपति जा रही थी। फ्लाइट में कुल 80 यात्री सवार थे।एयरलाइंस ने बताया कि, टेकऑफ के बाद पायलट को संकेत मिला कि विमान के पिछले दरवाजे में कुछ दिक्कत है। जिसके बाद फ्लाइट वापस एयरपोर्ट आ गई। दिल्ली से बाली जा रही फ्लाइट अक2145 बीच रास्ते से ही दिल्ली लौटी। एयरलाइन ने बताया यह फैसला बाली एयरपोर्ट के पास ज्वालामुखी विस्फोट की खबरों के कारण यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया।टोरंटो से दिल्ली वाली फ्लाइट अक188 कैंसिल की गई। फ्लाइट में यात्री सवार हो चुके थे, उन्हें उतारा गया। कहा गया कि विमान के मेंटेनेंस और क्रू के फ्लाइट ड्यूटी टाइम की लिमिटेशन के चलते इसे रद्द किया गया है।

दुबई से दिल्ली आने वाली फ्लाइट अक996 को तकनीकी खामी के चलते कैंसिल किया गया। इस फ्लाइट में भी यात्री सवार हो चुके थे। आदेश जारी होते ही उन्हें भी उतारा गया।

## पीएम मोदी ने राहुल गांधी को दी जन्मदिन की बधाई

**अखिलेश यादव समेत इन नेताओं ने भी दी - जन्मदिन की बधाई**

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को कांग्रेस नेता और लेकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उनके 55वें जन्मदिन पर बधाई दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई। उनके दीघार्यु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। सपा मुखिया ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में अपने बधाई संदेश में कहा श्री राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई व सौहार्दपूर्ण, समावेशी, समायोजनकारी समग्र सामाजिक-राजनीतिक सक्रियता के लिए शुभकामनाएँ!

# असम में एक और राष्ट्रविरोधी गिरफ्तार, पहलगाम हमले के बाद से अब तक कुल 94 लोगों की गिरफ्तारी

सोशल मीडिया पर पाकिस्तान समर्थक और सांप्रदायिक पोस्ट साझा करने के आरोप में असम में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और इसके साथ ही अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर राज्य में ऐसे मामलों में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 94 हो गई है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश के अंदर भी कई दुश्मन नकाप पहन कर छुपे रहते हैं जो समय समय पर देश के खिलाफ साजिश रचते हैं या साजिश रचने वालों को मदद करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को देशद्रोही की संज्ञा दी जाती है। पहलगाम हमले के बाद ज्योति मल्होत्रा रहित कई जासूसों को गिरफ्तार किया गया। कथित तौर पर यह वह लोग थे जो भारत में बैठ कर पाकिस्तान की आईएसआई को भारत के खिलाफ साजिश रचने पर मदद करते थे। इसके अलावा कुछ ऐसे लोग है जि भारत में कुछ भी गतल होता है तो उसका जश्न मनाते हैं और सांप्रदायिक दंगे करवाते हैं। असम राज्य से अब तक सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां ऐसे लोगों की हुई है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान समर्थक और सांप्रदायिक पोस्ट साझा करने के आरोप में असम में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और इसके साथ ही अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर राज्य में ऐसे मामलों में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 94 हो गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि आरोपी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और उसे नलबाड़ी से गिरफ्तार कर लिया गया।

## सम्पादकीय

# मोदी की ट्रंप से खरी बात, आतंकवाद को बेनकाब करना जरूरी

भारतीय प्रधानमंत्री ने एक जरूरी काम यह भी किया कि उन्होंने कनाडा से अमेरिका आ जाने के ट्रंप के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। ऐसा करना इसलिए अनिवार्य था क्योंकि ट्रंप पाकिस्तान के जिहादी सोच और आतंक को खुला समर्थन देने वाले सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की तैयारी कर रहे थे। यदि ट्रंप को अपने निजी स्वार्थों के चलते पाकिस्तान की हरकतें स्वीकार हैं तो वे उन्हें मुबारक। प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा में जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में इन देशों की आतंकवाद पर दोहरी नीति को उनके सम्मुख ही बेनकाब करने के साथ वहीं से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर लंबी वार्ता में जो कुछ कहा, उससे अमेरिका को यह समझ आ जाए तो बेहतर कि भारत कश्मीर अथवा अन्य किसी मामले में किसी के दबाव में आने वाला नहीं है। यह अपेक्षित ही नहीं, आवश्यक था कि भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप के इन दावों पर स्पष्ट रूप से कुछ कहते कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच कथित तौर पर संघर्षविराम कराया और इसके लिए उन्होंने दोनों देशों को व्यापार करने का प्रस्ताव रखकर सैन्य टकराव थामा। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा कि ऐसा कहीं कुछ नहीं था और भारत से इस संदर्भ में कोई बात ही नहीं हुई। इसका अर्थ है कि ट्रंप का बार-बार दोहराया जाने वाला दावा फर्जी है। मोदी ने दो टूक शब्दों में यह भी साफ किया कि भारत ने कश्मीर पर न तो कभी मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही करेगा। ट्रंप को यह सब सुनना अच्छा तो नहीं लगा होगा, लेकिन उन्हें यह पता होना चाहिए कि जब भारत आर्थिक रूप से इतना सशक्त नहीं था और उसका आज जैसा अंतरराष्ट्रीय स्तर कद भी नहीं था, तब यदि उसने कश्मीर पर किसी तीसरे देश को बीच-बचाव करने का मौका नहीं दिया तो फिर आज ऐसा कैसे कर सकता है? यदि अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके सहयोगी यह साधारण सी बात नहीं समझते तो इसके लिए वे अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। आज इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अमेरिका का वह प्रभाव नहीं रहा, जो दो-तीन दशक पहले हुआ करता था। यह भी कटु सत्य है कि ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका की फजीहत ही अधिक हो रही है। बड़ी-बड़ी बातें करने के बावजूद ट्रंप न तो रूस-यूक्रेन युद्ध रोक सके और न ही अपनी मनमानी टैरिफ नीति पर कायम रह सके। यह सही है कि वे अपने ढंग के अनोखे राष्ट्रपति हैं और कई बार राजनयिक शिष्टाचार भी भुला देते हैं, पर इसका यह मतलब नहीं कि भारत उनके अनुचित दबाव में आ जाए। भारतीय प्रधानमंत्री ने एक जरूरी काम यह भी किया कि उन्होंने कनाडा से अमेरिका आ जाने के ट्रंप के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। ऐसा करना इसलिए अनिवार्य था, क्योंकि ट्रंप पाकिस्तान के जिहादी सोच और आतंक को खुला समर्थन देने वाले सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की तैयारी कर रहे थे।

## आज का विचार

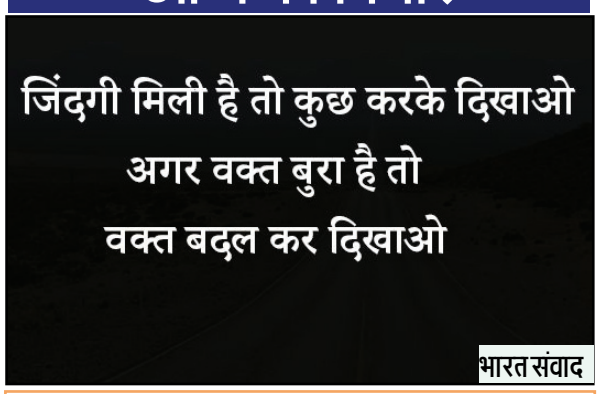


## राशिफल

**मेष राशि :** आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा. इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है. साथ ही किसी नये कोर्स को ज्वॉइन करने के लिए आज का दिन शुभ है.

**वृष राशि:** आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है. इस राशि के बिजनेसमैन आज किसी जरुरी काम से विदेश की यात्रा कर सकते हैं, यात्रा लाभदायक होगी। साथ ही जीवनसाथी की राय लेने से आपके बिजनेस को किसी बड़ी कंपनी से डील फाइनल करने में सफलता मिलेगी, जिससे घर में छोटी-सी पार्टी हो सकती है.

**मिथुन राशि:** आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. अगर आज नये बिजनेस की शुरूआत करने की सोच रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है. आज किसी फ्रेंड से आपको सहयोग मिलेगा, जिससे आप कई दिनों से रुके कार्यों को पूरा कर लेंगे.

**कर्क राशि:** आज आपका दिन खास रहेगा. आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा. आज जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के जरुरी कामों में हाथ बटा सकते हैं. जिससे आपके परिवार वालों को थोड़ा राहत महसूस होगा.

**सिंह राशि :** आज का दिन आपके अनुकूल रहेग. किसी काम को करने में आज आपके सामने कई बड़ी चुनौतियां आएंगी। जिसे आप धैर्य के साथ सॉल्व कर लेंगे. आज आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है. इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है.

**कन्या राशि:** आज पूराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे. आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाऐगा. साथ ही आज घर पर अपना मनपसंद खाना खा सकते हैं. इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरूआत करने की सोच रहे है.

**तुला राशि:** आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा. बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है. कहीं दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा, जिससे आप अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे. आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा.

**वृश्चिक राशि:** आज आपका दिन राहत से भरा रहेगा. आज आप ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपके बिजनेस में फायदा कराएंगे. आर्थिक स्थिति में आज सुधार आएगा. आज आपको अपने जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार सकारात्मक रखने की जरूरत है.

**धनु राशि:** आज आपका दिन लाभदायक रहेगा. आज ऑफिस की तरफ से आप कोई बिजनेस मीटिंग के लिए जा सकते हैं. अपने मेल को एक बार अच्छे से चेक करके ही जाएं. साथ ही दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा. इस राशि के जो लोग बिजनेसमैन है, आज वो किसी बड़ी कंपनी से अपनी डील फाइनल कर सकते हैं, जिसका फायदा आपको भविष्य में होगा.

**मकर राशि:** आज आपका दिन अच्छा रहेगा. आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे. मार्केटिंग से जुड़े लोगों को तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे. किसी बड़े बुजुर्ग की मदद करने से आपको खुशी महसूस होगी.

**कुंभ राशि :** आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा. आज माता-पिता के साथ किसी रिश्तेदार के घर जायेंगे जहां आपको काफी अच्छा लगेगा. आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा. जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके.

**मीन राशि:** आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा. संचार सेवा और इंटरनेट से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा. किसी विदेशी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकता है. इस राशि के बिजनेसमैन अपने जरूरी कागजों को संभालकर रखें साथ ही कागजी कार्यवाही में सावधानी रखें.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# आत्मचिंतन की मांग करता उत्तराखंड, एसओपी के उल्लंघन ने केदारनाथ यात्रा को बनाया असुरक्षित

**हेलीकाप्टर आपरेटरों वीआइपी यात्रियों और तीर्थयात्रियों के दबाव के चलते हेलीकाप्टर सेवा संचालन में आवश्यक एसओपी के उल्लंघन ने इस सेवा को असुरक्षित बना दिया है। यह स्थिति गहन आत्मचिंतन की मांग करती है। सुरक्षित और टिकाऊ यात्रा के लिए बहुआयामी उपायों की आवश्यकता है। सबसे आवश्यक है एक उच्च गुणवत्ता और बड़ी क्षमता वाला रोपवे सिस्टम जैसा स्विट्जरलैंड में है।**

केदारनाथ यात्रा भारत की पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक है। इसकी जड़ें सैकड़ों वर्षों पुरानी हैं और आदिगुरु शंकराचार्य के समय तक जाती हैं। यह केवल एक भौतिक यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा और तप से भरी आध्यात्मिक यात्रा है। पिछले दस वर्षों में इस यात्रा का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। 2013 की भीषण बाढ़ और उसके बाद हुए पुनर्निर्माण एवं प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद केदारनाथ में तीर्थयात्रियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। 1990 के प्रारंभ में जहां प्रतिदिन औसतन केवल 2,500 श्रद्धालु दर्शन के लिए आते थे, वहीं आज यह संख्या 30,000 से अधिक हो चुकी है। प्रतिवर्ष 20 लाख से भी अधिक यात्री हर सीजन में केदारनाथ यात्रा करते हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की केदारनाथ जी में आस्था जहां सुखद अनुभूति है, वहीं व्यवस्था और पर्यावरण की दृष्टि से एक चुनौती भी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ संवेदनशील हिमालयी वातावरण और पहाड़ों की भारवाहक क्षमता पर दबाव डाल रही है। जब विषय आस्था और भावना से जुड़ा हो, तब भीड़ रोकने के नियमों का पालन कराना कठिन हो जाता है। दुर्भाग्यवश अब यह यात्रा कुछ लोगों के लिए स्टेटस सिंबल बन गई है। 2013 की त्रासदी के बाद भूगर्भीय बदलावों से पैदल मार्ग को 14 किमी से बढ़ाकर 19 किमी करना पड़ा। अब यह मार्ग और कठिन हो गया है, विशेषकर बुजुर्गों के लिए। अब पैदल मार्ग पर घोड़े भी चलते हैं, जो यात्रा को असुरक्षित बना रहे हैं। राहत के रूप में शुरू की गई हेलीकाप्टर सेवा भी आज सुविधा के साथ एक चुनौती बन गई है। ये उड़ानें ध्वनि प्रदूषण करती हैं, जीवाश्म ईंधन जलाती हैं और पर्वतीय जलवायु को क्षति पहुंचाती हैं। हेलीकाप्टर से लोग अल्प समय में गंतव्य तक पहुंच जाते हैं, जहां तापमान, हवा का दबाव और आक्सीजन भी कम होती है। इससे व्यक्ति खुद को मौसम के अनुकूल नहीं ढाल पाता, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथारिटी हेलीकाप्टर सेवा का संचालन करती है। यात्रियों के टिकट का मूल्य 7,000 से भी कम रखा है, जो आज किफायती ही कहा जा सकता है, क्योंकि इतने में तो कभी-कभी घोड़े भी नहीं मिलते। इससे हेलीकाप्टर टिकट प्राप्त करना एक चुनौती बन गया है। लंबी कतारें, टिकटों की कालाबाजारी, फर्जी वेबसाइटों के जाल में फंसना आम है। जब मौसम पूरा दिन साफ रहे, तब भी अधिकतम 2,000 यात्री ही प्रतिदिन हेलीकाप्टर से यात्रा कर सकते हैं, लेकिन टिकटों की मांग 10,000 से भी अधिक होती है। इससे वीआइपी सिफारिशों का प्रशासन पर दबाव बना रहता है। इस क्षेत्र में मौसम अत्यंत अनिश्चित होता है। कभी-कभी तो कुछही मिनटों में दृश्यता (विजिबिलिटी) शून्य तक पहुंच सकती है, जिससे सुरक्षित लैंडिंग कठिन हो जाती है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की अवहेलना कर उड़ान भरने का दबाव पायलटों और प्रशासन पर बना रहता है। अगर मानक संचालन प्रक्रियाओं(एसओपी) को सख्ती से लागू किया जाए, तो दुर्घटनाओं की आशंका घट सकती है, पर इससे उड़ानों की संख्या घटेगी, जो व्यावसायिक रूप से हेलीकाप्टर संचालकों के लिए अनुकूल नहीं। श्रद्धालुओं में भी असंतोष बढ़ता है और वे खराब मौसम में भी हेलीकाप्टर संचालन की मांग करते हैं। इन कारणों से हेलीकाप्टर आवश्यकता से अधिक चक्कर लगाते हैं, जिससे उनके रखरखाव की उपेक्षा होती है और तकनीशियनों पर सीमित समय में उनकी सर्विसिंग का दबाव होता है, ताकि अधिक उड़ानों की अव्यावहारिक मांग पूरी की जा सके। खराब मौसम, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और समय के दबाव में कभी-कभी तकनीकी त्रुटि हो जाती है, जो जानलेवा साबित होती है। इसी 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और एक बच्चे सहित सात तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। खराब मौसम और दृश्यता की कमी इस दुर्घटना के मुख्य कारण रहे। पायलट ने निर्धारित समय से पहले उड़ान भरी और प्रतिकूल मौसम के बावजूद उड़ान जारी रखी। यह इस वर्ष की चारधाम यात्रा की पांचवीं हेलीकाप्टर दुर्घटना थी। हेलीकाप्टर आपरेटरों, वीआइपी यात्रियों और तीर्थयात्रियों के दबाव के चलते हेलीकाप्टर सेवा संचालन में आवश्यक एसओपी के उल्लंघन ने इस सेवा को असुरक्षित बना दिया है। यह स्थिति गहन आत्मचिंतन की मांग करती है। सुरक्षित और टिकाऊ यात्रा के लिए बहुआयामी उपायों की आवश्यकता है। सबसे आवश्यक है एक उच्च गुणवत्ता और बड़ी क्षमता वाला रोपवे सिस्टम, जैसा स्विट्जरलैंड में है। यह घोड़ों और हेलीकाप्टर यात्रा, दोनों का एक सुरक्षित विकल्प हो सकता है। यह पर्यावरण हितैषी भी होगा। इसके अस्तित्व में आने पर घोड़ा संचालकों के लिए समुचित पुनर्वास योजना बनाई जानी चाहिए। मौसम-आधारित उड़ान प्रतिबंध अनिवार्य किए जाने चाहिए। सभी हेलीपैड्स पर रीयल-टाइम मौसम निगरानी प्रणाली होनी चाहिए। पायलटों को पर्वतीय उड़ान का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए और उनके ड्यूटी घंटे नियंत्रित किए जाएं। हेलीपैड्स को तकनीकी रूप से उन्नत किया जाए और केवल दोहरे-इंजन, उच्च रखरखाव वाले हेलीकाप्टरों को ही अनुमति दी जानी चाहिए। सभी हेली सेवाओं के लिए एटीसी की तरह एक केंद्रीकृत कमांड सेंटर स्थापित किया जाना चाहिए। इसके साथ एसओपी तथा सुरक्षा सलाह को व्यापक रूप से प्रचारित एवं लागू किया जाने की भी आवश्यकता है। ऐसा ही कुछ देश के अन्य पर्वतीय स्थलों में भी किया जाना चाहिए और विशेष रूप से वहां, जहां हेलीकाप्टर सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। इस हादसे से हमें चेत जाना चाहिए। केदारनाथ मात्र एक गंतव्य स्थल नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। भीड़भाड़, वाहनों के अत्यधिक दबाव और व्यावसायीकरण ने इस पवित्र धाम के आत्मा को खतरे में डाल दिया है। असुरक्षित हवाई यात्रा, पर्यावरणीय क्षरण और अव्यवस्था से उपजी चिंताएं प्रशासन, श्रद्धालुओं, हेली सेवा प्रदाताओं और समाज, सभी से गहन एवं ईमानदार आत्मविश्लेषण की मांग करती हैं।

# श्रम शक्ति को सशक्त बनाने और भारत को भविष्य के लिए तैयार करने के 11 वर्ष

डॉ. मनसुख मांडविया

(केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री)

भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है और देश को पूर्णतः विकसित करने के मूल में रोजगार सृजन और सामाजिक सुरक्षा को रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में नीति, नियोजन और प्रगति के केंद्र में भारत की कार्यशक्ति रही है। इस बदलाव से रोजगार सृजन और सामाजिक सुरक्षा दायरे के विस्तार में ऐतिहासिक सुधार हुआ है। वर्ष 2014 में भारत का रोजगार परिदृश्य विभक्त था, सामाजिक सुरक्षा दायरा सीमित था, और अधिकांश कामगार, विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोग, कल्याणकारी योजनाओं के सुरक्षात्मक दायरे में नहीं आते थे। इस चुनौती की व्यापकता और अत्यावश्कता को समझते हुए, मोदी सरकार ने साहसिक और संरचनात्मक सुधार किए। मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी प्रमुख पहल और व्यापक स्तर पर बुनियादी ढांचे विकास अभियान से रोजगार सृजन में अभूतपूर्व गति आई है। भारतीय रिजर्व बैंक- केएलईएमएस (पूंजी, श्रम, ऊर्जा, सामग्री और सेवाएं) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2004 से 2014 के बीच केवल 2 करोड़ 90 लाख नौकरियां सृजित हुईं जबकि इसकी तुलना में वर्ष 2014-2024 के बीच 17 करोड़ से अधिक नौकरियां उत्पन्न की गई। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण-पीएलएफएस के आंकड़ों के अनुसार, नियोजन दर वर्ष 2017-18 के 46 दशमलव 8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58 दशमलव 2 प्रतिशत हो गई। इसी अवधि में बेरोजगारी दर 6 प्रतिशत से घटकर 3 दशमलव 2 प्रतिशत पर आ गई। यही नहीं औपचारिक क्षेत्र में रोजगार सृजन में भी काफी प्रगति हुई। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के आंकड़ों के अनुसार पिछले सात वर्षों में 7 करोड़ 50 लाख से अधिक औपचारिक नौकरियां उत्पन्न हुई हैं।

### युवा और नारी शक्ति को सशक्त बनाना

भारत की विकास यात्रा में युवा और नारी शक्ति का सशक्तिकरण केंद्रित है। इसे सिद्ध करते हुए महिला रोजगार दर वर्ष 2017-18 में 22 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 40 दशमलव 3 प्रतिशत पर पहुंच गया। इस अवधि में बेरोजगारी दर 5 दशमलव 6 प्रतिशत से घटकर 3 दशमलव 2 प्रतिशत पर आ गई। ग्रामीण भारत में यह बदलाव और भी महत्वपूर्ण रहा जहां महिला रोजगार में 96 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में उनके रोजगार में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये सभी पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लागू परिवर्तनकारी सुधारों और केंद्रित पहल के परिणाम हैं। आज 15 मंत्रालयों में 70 से अधिक केंद्र प्रायोजित योजनाएं महिला उद्यमशीलता को सहयोग देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने को समर्पित हैं। भारत में युवाओं की रोजगार क्षमता में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और जहां यह वर्ष 2013 में सिर्फ 33 प्रतिशत थी वहीं अब बढ़कर वर्ष 2024 में लगभग 55 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह प्रगति सुदृढ़ डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की वजह से हुई है। नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को एक साथ लाने वाले भारत सरकार द्वारा संचालित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म-राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल जैसे प्लेटफॉर्म रोजगार संबंधी सेवाओं के एकल स्थल समाधान के रूप में उभरे हैं। वर्ष 2015 में आरंभ किए गए राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल-एनसीएस ने अब तक 5 करोड़ 50 लाख से अधिक नौकरी के इच्छुक कामगारों को 46 लाख नियोक्ताओं से जोड़ा है और इससे 5 करोड़ से अधिक रोजगार रिक्तियां उत्पन्न हुई हैं। परिणामतः-युवा रोजगार दर वर्ष 2017-18 में 31 दशमलव 4 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 41 दशमलव 7 प्रतिशत पर पहुंच गई और इस अवधि में युवा बेरोजगारी दर 17 दशमलव 8 प्रतिशत से घटकर 10 दशमलव 2 प्रतिशत पर आ गई जो वैश्विक औसत 13 दशमलव 6 प्रतिशत से भी कम है। डिजिटल कौशल उन्नयन कार्यक्रमों, उद्यमिता संबंधी पहल और नवाचार-आधारित प्लेटफार्मों के जरिए भारत के युवा अब नौकरी पाने के इच्छुक से बदलकर नौकरी सृजन करने वाले बन गए हैं।

### असंगठित कार्यबल को मान्यता

पिछले 11 वर्षों की सबसे परिवर्तनकारी उपलब्धियों में से एक भारत के विशाल असंगठित कार्यबल को मान्यता प्रदान करना है। वर्ष 2021 में, मोदी सरकार ने असंगठित श्रमिकों के लिए पहला विशिष्ट राष्ट्रीय डिजिटल डेटाबेस ई-श्रम पोर्टल आरंभ किया। इसके बाद केवल 4 वर्षों में गिग (स्वतंत्र रूप से काम करने वाले कामगार) और प्लेटफॉर्म कामगार (प्लेटफॉर्म कामगार से तात्पर्य ऐसे संगठन के लिए काम करने वाले कार्यबल से है जो व्यक्तियों या संगठनों को सीधे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके विशिष्ट सेवाएं प्रदान करता है।) सहित 30 करोड़ 80 लाख से अधिक असंगठित श्रमिक इस प्लेटफॉर्म से जुड़ गए हैं। यह सक्रिय पोर्टल एकल समाधान के रूप में श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ता है। अभी केंद्र सरकार की 13 से अधिक सामाजिक कल्याण योजनाएं ई-श्रम से जुड़ी हैं जहां एकल साइन-ऑन से निर्बाध बहुभाषी पहुंच मिलती है। यह केवल तकनीकी प्रगति भर नहीं बल्कि शासन मॉडल में ऐसे बदलाव को दर्शाता है जिसमें श्रमिक को सबसे पहले रखा गया है। इसके अलावा, डिजिटल अर्थव्यवस्था के महत्व को समझते हुए गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों को नीतिगत दायरे में लाया है। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में उन्हें ई-श्रम पोर्टल पर शामिल करने और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना के स्वास्थ्य सेवा दायरे में लाने की महत्वपूर्ण घोषणा की गई है। इससे मोदी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इस उभरते कार्यबल को पर्याप्त सुरक्षा और अवसर मिले।

### ईएसआईसी और ईपीएफओ में सुधार

पिछले 11 वर्षों में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) जैसी संस्थाओं में सुधार के अहम उपाय किए गए हैं, जो लंबे समय से अक्षमता और लालफीताशाही से प्रभावित रहे हैं। इन सुधारों से अभूतपूर्व पारदर्शिता के साथ ही व्यवस्था में अधिक दक्षता आई है। यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन), कार्य और कल्याण गतिविधियां आधार संख्या के साथ से जोड़ने, सरलीकृत ऑटो-क्लेम समाधान, विभिन्न योजनाओं के साथ अभिसरण और कुशल शिकायत निवारण तंत्र जैसी पहल से सेवा प्रदान करने में बदलाव आया है और हमारे कामगारों का जीवन सुगम बना है। इसके परिणामस्वरूप, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन-ईपीएफओ के सदस्यों की संख्या वर्ष 2013-14 में 11 दशमलव सात आठ करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 34 दशमलव छह तीन करोड़ हो गई है। इस अवधि में पंजीकृत प्रतिष्ठानों की संख्या भी 7 लाख 96 हजार से बढ़कर 27 लाख पांच हजार हो गई। इसके अलावा वर्ष 2024-25 में दावे के निपटान भी 6 करोड़ से अधिक हो गए हैं जो ईपीएफओ के इतिहास में सर्वाधिक है। इस बीच, कर्मचारी राज्य बीमा निगम-ईएसआईसी के दायरे में भी काफी विस्तार हुआ है। वर्ष 2013-14 में जहां यह केवल 393 जिलों में सीमित था वहीं अब यह 700 जिलों में विस्तारित हो गया है।

# अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य : ट्रंप के कनाडा से लौटने का सबब?

संजीव ठाकुर

इजरायल ईरान युद्ध के महत्वपूर्ण समय में फ्रांस में जी7 समिट आहूत किया गया है, इसी दौरान जी7 सम्मेलन के बीच से लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब सीजफायर नहीं अब अंतिम फायर ही होगा। उन्होंने अपने बयान में कहा कि इजरायल-ईरान संघर्ष का असली समाधान चाहते हैं।

### ईरान आतंकवाद का स्रोत?

इंटरनेशनल न्यूज एजेंसी सीएनएन के अनुसार कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन की शुरूआत से पहले दुनिया की साथ बड़ी आर्थिक ताकतों ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर साझा बयान जारी किया है इन सब नेताओं ने पश्चिम एशिया में शांति की स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि ईरान आतंकवाद का बड़ा स्रोत भी है। ईरान लगातार इसराइल तथा अन्य देशों के विरुद्ध आतंकवाद का छद्म युद्ध लड़ रहा है, ईरान ने नेपथ्य में रहकर औरहिजबुल,हूती विद्रोहियों और हमास को लगातार फंडिंग तथा अस्त्र-शास्त्र उपलब्ध कराता रहा है जिसके कारण इजरायल में लगातार हमले हुए। समिट में 7 देशों ने संयुक्त बयान में कहा है कि इसराइल को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है सभी सात देशों ने इसराइल को अपना पूर्ण समर्थन प्रस्तावित किया है इसके साथ ही उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता पश्चिम एशिया शांति स्थिरता के लिए एक स्वर में जताई है। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा की ईरान के लोगों को तेहरान खाली कर देना चाहिए। किन्हीं भी परिस्थितियों में ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए ईरान को अंतिम चेतावनी दी जाती है कि वह समझौता कर लें अन्यथा स्थिति बद से बदतर हो जाएगी। ईरान को समझौता करने में शर्म कैसी युद्ध से लोगों की जानें जा रही है, यदि समझौता नहीं करता है तो ईरान को पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा। ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि डोनाल्ड ट्रंप जी7 सम्मति से कनाडा से अचानक लौटे हैं तो वह युद्ध की तैयारी एवं इसराइल को पूर्ण समर्थन देने के लिए ही अमेरिका लौट कर आए हैं।

### ईरान ने जी7 में इसकी अनदेखी का आरोप लगाया।

ईरान ने जी7 देश पर अपने देश की अनदेखी का आरोप लगाया ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार जी7 नेताओं के बयान में ईरान के खिलाफ इजरायल की आक्रामक नीति का समर्थन कर ईरान देश की अनदेखी की गई है। ईरान के विदेशी प्रवक्ता ने आरोप लगाया है कि हमारे शांतिपूर्ण परमाणु बुनियादी ढांचे पर गैर कानूनी हमले के साथ-साथ आवासीय क्षेत्र तथा नागरिकों की जगन्य हत्या को पूर्णता नजर अंदाज कर दिया गया है। यह ईरान के साथ ना इंसाफी है। ईरान ने आगे कहा है कि हमने पर परमाणु हथियार बनाने की बात से इनकार किया है। उनके अनुसार परमाणु अप्रसार संधि के एक पक्ष के रूप में उन्होंने परमाणु संवर्धन किया है। उन्हें भी अन्य देशों की तरह बम बनाने का पूर्ण अधिकार है। लेकिन इजरायल अमेरिका का मानना है कि संपूर्ण पश्चिम एशिया का ईरान एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास परमाणु हथियार मौजूद है ईरान ने पहले से परमाणु बम बना कर रखा है और पश्चिम एशिया में इजरायल अमेरिका के खिलाफ परमाणु बम का उपयोग कर भारी शांति और मानवता के लिए खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। उल्लेखनीय है कि फ्रांस में आयोजित जी7 समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रो ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया है भारत एक शांति दूत की तरह कार्य करता है। भारत के पास परमाणु बम होने के बावजूद उसने कभी परमाणु बम उपयोग की धमकी या बात नहीं कही है।

## मंत्री नन्दी ने नैनी में जनचौपाल लगाकर सुनी लोगों की समस्याएं

- संबंधित अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश
- केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव एवं विकास कार्यों पर की चर्चा

भारत संवाद

'विकसित भारत का अमृत काल, सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल' कार्यक्रम के उपलक्ष्य में आज प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के नैनी मंडल के चक लाल मोहम्मद ईसाई बस्ती में जन चौपाल आयोजित किया गया।जन चौपाल में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मंत्री नन्दी ने जानचौपाल के दौरान लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए।मंत्री नन्दी ने स्थानीय लोगों से संवाद कर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव एवं विकास कार्यों पर चर्चा की। जनचौपाल में केंद्र सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा की गई। लोगों को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, समग्र शिक्षा अभियान ,छात्रवृत्ति योजनाएं, आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, कौशल विकास योजनाएं, राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ,राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा मिशन, स्वच्छ भारत अभियान आदि की जानकारी दी गई।

# मंत्री नन्दी के नेतृत्व में अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

### अभिनन्दन समारोह में सपरिवार सम्मिलित हुए अग्रवाल समाज प्रयागराज के नवनिर्वाचित पदाधिकारी

- नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं
- मंत्री नन्दी ने अपने सरकारी आवास पर अग्रवाल समाज प्रयागराज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के लिए अभिनन्दन समारोह एवं रात्रिभोज का किया आयोजन

भारत संवाद

40 वर्ष बाद पिछले दिनों सम्पन्न हुए अग्रवाल समाज प्रयागराज के संगठनात्मक चुनाव में विजयी हुए पदाधिकारियों ने गुरूवार को उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के नेतृत्व में सपरिवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान में अग्रवाल समाज के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा करते हुए सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।इसके पूर्व बुधवार की रात मंत्री नन्दी ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास 6 कालीदास मार्ग पर अग्रवाल समाज प्रयागराज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के लिए अभिनन्दन समारोह एवं रात्रिभोज का आयोजन किया। जिसमें अग्रवाल समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारी सपरिवार सम्मिलित हुए।मंत्री नन्दी द्वारा आयोजित अभिनन्दन समारोह में सम्मिलित होने के लिए अग्रवाल समाज प्रयागराज के नवनिर्वाचित पदाधिकारी बुधवार की शाम लखनऊ पहुंचे।होटल ताज में विश्राम के बाद सभी पदाधिकारी उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के सरकारी आवास 6 कालीदास मार्ग पहुंचे। जहां सभी के सम्मान में अभिनन्दन समारोह एवं रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। मंत्री नन्दी ने प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी के साथ सभी पदाधिकारियों एवं परिवार के सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। सभी को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री नन्दी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एवं दानवीर भामाशाह के पदचिन्हों पर चलते हुए वैश्य समाज ने सदैव परोपकार, सेवा, सामाजिक एकजुटता का कार्य किया है। इन्हीं लक्ष्यों के लिए समर्पित एवं संकल्पित अग्रवाल समाज प्रयागराज की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ है।जिसके लिए सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मंत्री नन्दी ने कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति का सशक्तिकरण, उन्नयन, प्रगति, आत्मनिर्भरता का विस्तार करना हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए।

फास्ट ट्रैक

## सरसवां विकास खंड में भ्रष्टाचार का आरोपः सचिव रवि सिंह की सेटिंग-गेटिंग पर सवाल

हर्षित मिश्रा/भारत संवाद कौशाम्बी

सरसवां, कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश) सरसवां विकास खंड के बरौली, बनीखास, सोनौली, डेढ़ावल और सिंघवल क्षेत्रों में तैनात पंचायत सचिव रवि सिंह पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं।ग्रामीणों और सूत्रों के अनुसार, रवि सिंह ने डेढ़ावल में स्थानांतरण के बाद राज्य वित्त और केंद्रीय वित्त से प्राप्त लगभग कई लाख रुपये के फंड का दुरुपयोग किया है। आरोप है कि यह राशि विकास कार्यों के लिए आवंटित थी, लेकिन इसका उपयोग अनियमित तरीके से किया गया सूत्रों का दावा है कि रवि सिंह पिछले चार साल से अधिक समय से सरसवां विकास खंड में तैनात हैं और उनका स्थानांतरण नहीं हुआ है। सामान्य नियमों के अनुसार, एक ही स्थान पर इतनी लंबी अवधि तक तैनाती असामान्य मानी जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि रवि सिंह ने ₹सेटिंग-गेटिंग₹ के तर्ज पर अपनी तैनाती को बनाए रखा है, जिसके चलते विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव देखा गया है।स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई विकास परियोजनाएं, जैसे सड़क निर्माण, जल निकासी, और सामुदायिक शौचालय जैसे सुविधाओं का विकास,या तो अधूरे हैं या गुणवत्ता में कमी के कारण बेकार हो चुके हैं। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ₹पंचायत सचिव द्वारा फंड का दुरुपयोग आम बात हो गई है।विकास के नाम पर केवल कागजी कार्यवाही होती है, और धरातल पर कुछ नहीं दिखता₹ विकास खंड के अधिकारियों से जब इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जांच का आश्वासन दिया, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।दूसरी ओर, रवि सिंह ने इन आरोपों को निराधार बताया और कहा कि सभी कार्य नियमानुसार किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप राजनीतिक द्वेष के कारण हैं।जिला प्रशासन से मांग की जा रही है कि रवि सिंह के कार्यकाल और फंड के उपयोग की निष्पक्ष जांच की जाए। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि लंबे समय तक एक ही स्थान पर तैनात अधिकारियों का स्थानांतरण नीति के तहत किया जाए ताकि भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके।इस मामले ने स्थानीय स्तर पर व्यापक चर्चा को जन्म दिया है, और लोग उम्मीद कर रहे हैं कि प्रशासन इस मुद्दे पर गंभीरता से कार्रवाई करेगा।

## थाना को0कटरा पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला फुसला के भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0कटरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 23.04.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादिनी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसला के भगाने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0कटरा पर मु0अ0सं0-110/2025 धारा 137(2),352,131,351(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी को0कटरा को निर्देश दिए गए ।

## थाना सन्तनगर पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना सन्तनगर, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 15.06.2025 को वादी उमाशंकर पटेल पुत्र स्व0 दूधनाथ पटेल निवासी बनकी थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त (दामाद) के विरूद्ध वादी की पुत्री के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सन्तनगर मु0अ0सं0-79/2025 धारा 115(2),352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थानाध्यक्ष सन्तनगर को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं ।

# मैपिग एवं कम्पास की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

भारत संवाद

राज्य प्रशिक्षण केन्द्र उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स सूबेदारगंज में जिला प्रयागराज द्वारा दिनांक 17.06.2025 से 18.06.2025 तक मैपिग एवं कम्पास की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस शिविर को श्रीमती आयूषी भटनागर, उपाध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के निर्देशन में आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में प्रयागराज यूनिट एवं सूबेदारगंज यूनिट के सदस्यों द्वारा संयुक्त रुप से प्रतिभाग किया, जिसमें कुल 65 वरिष्ठ लीडर, रोवर,रेंजर, एच.डब्ल्यू.बी. लीडर ने प्रतिभाग किया। उपरोक्त आयोजन भारतीय सेना व एन सी सी के सहयोग से किया गया।सेना द्वारा एन.सी.सी. के मनोनित प्रतिनिधि श्री मोनू कुमार एवं श्री राणा प्रताप, यूनिट-01 यू0पी0 सी.टी.आर एन.सी.सी, एम.एन.आई.टी. कैम्पस, ओल्ड कैण्ट, प्रयागराज के नेतृत्व में मैपिंग एवं कम्पास कार्यशाला का आयोजन प्रोफेशनल तरीके से सफलता पूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को मैदान में प्रयोगात्मक तरीके से दिशाओं का ज्ञान कम्पास एवं प्राकृतिक संस्साधनों से कैसे ज्ञात किया जाता है के विषय में वृहद जानकारी तथा मैप को कैसे वस्तुस्थिति का पता लगाया जाये के विषय में विशिष्ट तकनीक से करने हेतु समझाया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में आये सभी बच्चे एवं लीडर्स ने मैपिगं व कम्पास प्रशिक्षण में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।बच्चों ने अपनी जिज्ञासा को खुलकर सेना से आये प्रशिक्षकों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से समाधान किया एवं समुचित जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम सेना के प्रशिक्षको द्वारा प्रथम बार उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट गाइड प्रयागराज में आयोजित किया गया है।इसके लिये सेना से स्काउट एवं गाइड के पदाधिकारी द्वारा विशेष आभार व्यक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री रवि कान्त शर्मा, राज्य संगठन आयुक्त/स्काउट, सुश्री मन्जू जोशी, राज्य संगठन आयुक्त/गाइड, प्रयागराज, श्री पंकज राज कनौजिया, सहा. राज्य संगठन आयुक्त/स्काउट, श्री मनोज कुमार, सहा. जिला सचिव प्रयागराज यूनिट, मोहम्मद असलम, सहा. जिला सचिव सूबेदारगंज यूनिट एवं श्री अभिषेक कुमार व वरिष्ठ यूनिट लीडर, समस्त रोवर, रेन्जर, स्काउट एवं गाइड को मिलाकर संस्था के कुल 65 सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

# प्रयागराज मंडल में मनाया जायेगा 11वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस

### रेल यात्रियों और रेल कर्मियों को किया जा रहा जागरूक

भारत संवाद

मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर 11वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2025 को मनाया जाएगा।इसी क्रम में अंतराष्ट्रीय योग दिवस को जन-जन का अभियान बनाने के लिए इसे राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है ।प्रयागराज मंडल द्वारा अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वृहत स्तर पर जागरूकता अभियान के क्रम में प्रयागराज मण्डल के स्टेशनों पर योग संबंधी वीडियो एवं ऑडियो संदेशों को प्रसारित किया जा रहा है । रेल यात्रियों को जागरुक करने के साथ साथ रेल कर्मियों को भी योग से होने वाले लाभ को बताने के उद्देश्य से संस्थानों, परिसरों एवं कालोनियों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं । ध्यातव्य है कि माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण के लिया गया । भारत की पहल और प्रयासों से 21 जून, 2015 को पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया ।योग शरीर और मन को स्वस्थ रखने की कला है । रेलवे कर्मचारियों को संरक्षित तरीके से कार्य करना होता है जिसके लिए शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन तनाव मुक्त होना आवश्यक है ।योग हमारे शरीर को स्वस्थ और मन को एकाग्र करता है । जब हम नियमित रूप से योग करते हैं तो आपके शरीर में ऊर्जा का संचार होता है ।भारतीय परंपरा में प्राचीन काल से ही योग का विशेष महत्व रहा है । योग से हम अपने जीवनशैली को आसानी से संयमित और नियंत्रित कर सकते हैं ।11वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस (दिनांक 21 जून, 2025) के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज के नेतृत्व में प्रयागराज मण्डल कार्यालय के मंडल सभागार में भी रेल कर्मचारियों को योगाभ्यास के साथ योग करने के लाभ एवं

## अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा.)/प्रयागराज को मिला रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक

भारत संवाद

दिनांक 17.06.2025 को रेल भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा.)/प्रयागराज, श्री नवीन प्रकाश को रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किया गया । प्रयागराज मंडल पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्री नवीन प्रकाश जी द्वारा किए जा रहे नवाचार एवं प्रयासों के लिए रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे ।रेल मंत्री राजभाषा पुरस्कार एक राजभाषा मं प्रचार प्रसार एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए क्षेत्रीय रेलवे में एक अधिकारी को दिया जाता है ।श्री नवीन प्रकाश के सक्रिय पहल एवं कुशल दिशा-निर्देशन में प्रयागराज मंडल में रेल के काम-काज में हिंदी के प्रयोग-प्रसार को उच्च स्तर तक पहुंचाया गया । मंडल के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए श्री नवीन प्रकाश ने मंडल में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। श्री नवीन प्रकाश ने व्यक्तिगत रूचि लेकर राजभाषा के प्रयोग पर विशेष निगरानी रखते हुए सभी स्टेशनों, गाड़ी प्रदर्शन बोर्डों, आरक्षण चार्टों, मनी रसीदों, नाम, पदनाम बैज आदि में नियमानुसार हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी का प्रयोग सुनिश्चित कराया है साथ ही मंडल के स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से संबंधित विवरणों को द्विभाषी रूप में प्रदर्शित कराने का अति महत्वपूर्ण कार्य प्रशस्त किया । श्री नवीन प्रकाश की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन से रेलवे के अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों में भी राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने की मनोवृत्ति बढ़ी है जिससे मंडल में राजभाषा के कार्य में बढ़ोत्तरी हुई है । प्रयागराज मंडल पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग में उत्तरोतर वृद्धि में उल्लेखनीय योगदान के लिए तथा हिंदी का सर्वाधिक एवं प्रशंसनीय कार्य करने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा श्री नवीन प्रकाश को ह्नरेल मंत्री राजभाषा रजत पदकह्व प्रदान किया गया । इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## शहर में स्थित नाला नाली की सफाई एवं कूड़ा मलवा निस्तारण व्यवस्था की समीक्षा बैठक की गयी

भारत संवाद

आज दिनांक 19-06-2025 को उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी मा0 महापौर द्वारा आगामी वर्षा ऋतु के दृष्टिगत शहर में स्थित नाला नाली की सफाई एवं कूड़ा मलवा निस्तारण व्यवस्था की समीक्षा बैठक आहुत की गयी। जिसमें श्रीमती कुसुम लता, आशीष द्विवेद्वी, रीतेश मिश्रा पार्षदगण श्री दीपेन्द्र यादव, अपर नगर आयुक्त, व श्री महेश कुमार नगर स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे। मा0 महापौर जी द्वारा अपर नगर आयुक्त व नगर स्वास्थ्य अधिकारी से जानकारी चाही गयी कि मेरे द्वारा पूर्व समीक्षा बैठक में निर्देश दिये गये थे कि मैन पावर बढ़ाकर तत्काल शहर में सभी नाले नालियों की सफाई का कार्य वर्षा से पूर्व सम्पादित करा लिया जाय। इस पर अपर नगर आयुक्त एवं नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा सका। मा0 महापौर जी द्वारा निर्देश दिये गये कि सभी जोनों में उपलब्ध मैन पावर को देखते हुये मैन पावर तत्काल बढ़ा लिया जाय तथा युद्व स्तर पर समस्त जोनों में नाले/नालियों की सफाई का कार्य वर्षा होने के पूर्व करा दिया जाय ।इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय। इसके अतिरिक्त शहर में जहॉ जहॉ मलवा कूड़ा इत्यादि का ढेर लगा है उसका भी निस्तारण सुनिश्चित किया जाय तथा गलियों में स्थित सभी नालियों की सफाई व सिल्ट निस्तारण का कार्य भी युद्व स्तर पर किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

# नवाचार के अंतर्गत रंगमंच कार्यशाला का समापन

भारत संवाद

विगत तीन सप्ताह से डाइट मे चल रहे नवाचार अंतर्गत रंगमंच कार्यशाला का समापन आज (बृहस्पतिवार) हो गया। कार्यशाला में ड्रीम ड्रामा आर्ट्स के डायरेक्टर शशांक शंखधर व सचिन सक्सेना द्वारा डाइट प्रशिक्षुओं को रंगमंच की विभिन्न विधाओं जैसे; अभिनय, निर्देशन, लेखन, मंच सज्जा, ध्वनि नियंत्रण आदिक का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम मे प्रशिक्षुओं द्वारा स्वलिखित व स्वनिर्देशित कहानियों का भी मंचन किया, जिसमें एक कहानी 'मौत की डगर' मे दर्शाया गया कि कैसे एक बच्चे को धूम्रपान व तंबाकू की लत लगने के बाद वह मौत के मुंह में चला जाता है। दूसरी कहानी 'प्राइवेट स्कूल का स्कैम' मे बताया गया कि अपने फायदे के लिए प्राइवेट स्कूल गरीब बालकों का जमकर शोषण करते हैं। 'बेटी बनी आसरा' नामक कहानी में बेटियों की शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रेरित किया कि शिक्षा प्राप्त करना लड़कियों के लिए बहुत ही आवश्यक है।।एक अन्य कहानी 'बंदिशें' में लड़कियों की सुरक्षा के बारे मे सवाल उठाया गया।डाइट प्राचार्य महेंद्र कुमार सिंह ने प्रशिक्षुओं की हौसला-अफजाई करते हुए कहा की हमारा लक्ष्य न केवल अभिनय के गुण सिखाना है, बल्कि उन्हें एक ऐसा मंच भी प्रदान करना है, जहां वे अपनी रचनात्मकता का खुलकर प्रदर्शन कर सकें। डाइट के वरिष्ठ प्रवक्ता दरवेश कुमार ने प्रशिक्षुओं को अनुशासन, टीमवर्क और आत्मअभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण जीवन कौशल को सीखने पर बल दिया।इस दौरान प्रवक्ता नीलेश नाथ, स्मिता लोधी, आशा सुमन, मंजू लता, वीरेंद्र कुमार, स्वदेश कुमार, पुलकित शर्मा, सुनीता बिष्ट समेत समेत डाइट का समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

आगमन

### गंगा तट की दिव्यता ने दी कैलाश खेर जी के संगीत को आध्यात्मिक ऊँचाईयाँ

# प्रसिद्ध आध्यात्मिक गायक पद्मश्री कैलाश खेर जी का परमार्थ निकेतन में आगमन

- पद्म श्री कैलाश खेर जी ने स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से लिया आशीर्वाद
- विश्व विख्यात गंगा जी की आरती में किया सहभाग

भारत संवाद

ऋषिकेश। प्रसिद्ध आध्यात्मिक गायक, संगीतकार व पद्मश्री से सम्मानित श्री कैलाश खेर का परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आगमन हुआ। उनका गुरुभक्ति, गंगाभक्ति और मातृभूमि से जुड़ाव अद्भुत है। पद्म श्री कैलाश खेर जी ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में विश्व विख्यात गंगा जी की आरती में सहभाग किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा, हमारे कैलाश खेर जी का संगीत आत्मा को झंकृत करता है। उनकी वाणी केवल स्वर नहीं, संस्कृति की चेतना है। उन्होंने जिस भाव से भारत की आध्यात्मिकता को संगीत में पिरोया है, वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। स्वामी जी ने कहा कि कला, विशेषकर संगीत, यदि सेवा और साधना से जुड़ जाए तो वह केवल मंचों पर नहीं, जीवनों में परिवर्तन लाता है। गायन केवल श्रोताओं को आनंद देने का माध्यम नहीं है, यह आत्मा को प्रभु से जोड़ने की शक्ति है और कैलाश खेर जी ने इस मंत्र को जीवन में उतारा है। पद्मश्री कैलाश खेर ने कहा, परमार्थ निकेतन का यह पावन गंगा तट मेरी संगीत यात्रा का आधार है। जब जीवन में संघर्ष था, भ्रम था, रास्ते नहीं थे तब इसी गंगा की लहरों और हिमालय की शांति ने मेरी आत्मा को छुआ। यह वही स्थान है जहाँ मुझे संगीत को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि साधना और सेवा के रूप में देखने की दृष्टि मिली। उन्होंने यह भी साझा किया कि परमार्थ निकेतन की गंगा आरती और स्वामी जी का दिव्य मार्गदर्शन उनके जीवन के लिए एक दिव्य मोड़ था। मुझे यहाँ वह ऊर्जा और दृष्टि मिली, जिससे मेरे भजन केवल गीत न रहकर प्रार्थना बन गए।साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा, कैलाश जी की आवाज में केवल शब्द नहीं, आत्मा की पुकार होती है। उन्होंने जिस तरह से अपने संगीत को सामाजिक संदेशों और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ा है, वह एक सच्चे कलाकार की पहचान है।उन्होंने यह भी कहा कि कला और संस्कृति को जब जागरूकता, सेवा और करुणा के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तब वह समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन जाती है।इस पावन अवसर पर पूज्य स्वामी जी ने कैलाश खेर जी को रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया। कैलाश खेर जी की जीवन यात्रा संघर्ष से साधना तक आज की युवा पीढ़ी के लिए एक जीती-जागती प्रेरणा है। उन्होंने यह सिखाया कि यदि भीतर श्रद्धा हो, और मार्गदर्शन किसी संत का मिल जाए, तो संगीत भी सेवा का माध्यम बन सकता है।गंगा तट पर गंगा आरती से पूर्व, कैलाश खेर जी के भजनों व संगीत ने पूरा परिसर दिव्यता से भर उठा। देश-विदेश से आए पर्यटकों ने भावविभोर होकर उन्हें सुना।

# कौशाम्बीः शाहपुर गौशाला में लापरवाही का आलम

भारत संवाद कौशाम्बी

- कुपोषण से गौवंश की मौतें, ग्राम सचिव पर गंभीर आरोप
- विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने दी चेतावनी जल्द सुधार नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करेंगे

उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले के भवनसुरी प्रथम और द्वितीय शाहपुर की गौशाला में गौवंशों की दयनीय हालत और कुपोषण से हो रही मौतों ने प्रशासनिक लापरवाही को उजागर किया है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सचिव रवि प्रकाश सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनके अनुसार गौशाला में गायों को न हरा चारा, न चोकर, और न ही पर्याप्त देखभाल मिल रही है, जिससे पशु भुखमरी और कुपोषण का शिकार हो रही हैं।स्थानीय ग्रामीण श्याम लाल ने बताया, ₹गौशाला में दोपहर को गायें दिखाई नहीं देतीं न चारा है, न पानी की व्यवस्था गायें कमजोरी से मर रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी बेपरवाह हैं।₹ ग्रामीण रमेश यादव ने कहा, ₹रवि प्रकाश सिंह की लापरवाही के कारण गौशाला गौवंश के संरक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि उनकी मौत का कारण बन गई है।₹हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में गौशाला की बदहाल स्थिति, कुपोषित गायें, और गंदे परिसर की तस्वीरें सामने आईं, जिसने प्रशासन पर दबाव बढ़ाया। ग्रामीणों की शिकायत पर जिला प्रशासन ने जांच कमेटी गठित की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।उत्तर प्रदेश सरकार के गौवंश संरक्षण के दावों के विपरीत, शाहपुर गौशाला की स्थिति इन वादों की पोल खोल रही है। ग्रामीणों ने तत्काल हरा चारा, चोकर, और स्वच्छ पानी की व्यवस्था के साथ-साथ दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।जिलाधिकारी मधुसूदन हुलगी ने कहा, ₹मामले की जांच शुरू हो गई है, और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।₹ हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि जांच केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित है, और गौवंश की हालत जस की तस है।यह मामला प्रशासनिक लापरवाही के साथ-साथ गौशालाओं के लिए आवंटित सरकारी धन के दुरुपयोग पर भी सवाल उठाता है। ग्रामीण और विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करेंगे।

# थाना गौंडा के क्षेत्र गांव भडीरा नंमवर दो मे विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भारत संवाद

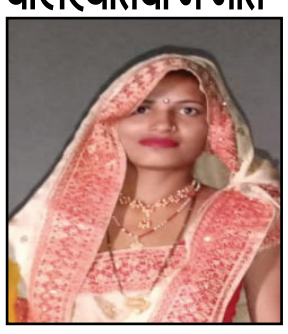

गौंडा , गांव भडीरा नंबर दो में बुधवार सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, ।मौके पर पहुंचे मायका पक्ष ने गांव पहुंचकर ससुराल के लोगों पर विवाहिता की हत्या कर देने का आरोप लगाते हुए थाना पुलिस को सूचना दी। थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है ।गांव भडीरा निवासी शिवकुमार पुत्र लांगुरिया की शादी करीब 5 वर्ष पूर्व थाना पिसावा के गांव प्रेमपुर निवासी नीरज देवी के साथ हुई थी। नीरज पर एक तीन वर्ष और एक छ माह की पुत्री है। परिजनों के अनुसार बताया गया कि बुधवार सुबह दोनों पति-पत्नी खेत से चारा लेने गए थे, वहां किसी बात को लेकर उनमें विवाद हो गया था। जिस पर नीरज ने घर आकर सुबह करीब 9:00 बजे कमरे में चुनरी के सहारे रोशनदान पर लटक कर आत्महत्या कर ली। नीरज को लटका देख परिवार वालों के होस उड गए। चीख पुकार सुन कर मौके पर आस पास के लोग मौके पर आये और विवाहिता को देखा और उसे फंदे से उतारकर उपचार के लिए चिकित्सक के पास ले गए। जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। नीरज की मौत की सूचना पर मायका के लोग भडीरा पहुंच गए। तथा महिला की हत्या कर देने की बात कही। सूचना पर कोतवाल मनोज कुमार पुलिस बल के साथ गांव भडीरा पहुंच गए तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। थाना पुलिस के अनुसार अभी कोई तहरीर नहीं आई है, मामले की जांच की जा रही है।

# सन्तों महंतों ने किया शेरेहिन्द विजयकांत चैहान को सम्मानित

## राष्ट्रार्पण के युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर किया मनोनीत

भारत संवाद

सहारनपुर। राष्ट्रार्पण के राष्ट्रीय अधिवेशन में शेरे हिन्द विजयकांत चैहान को राष्ट्रार्पण का युवा मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर विजयकांत का पटका पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर जोरदार अभिनन्दन किया गया।

बरेली के ऐतिहासिक खुशलोक सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अनंत विभूषित श्री 1008 पूज्य माँ महामंडलेश्वर योग योगेश्वरी यति जी राष्ट्रीय कवि मनवीर मधुर संगठन के राष्ट्रीय संयोजकराजकिशोर शेरे हिन्द विजयकान्त चैहान जूनियर भगत सिंह संस्थापक वन्देमातरम मिशन एक चिंगारी ट्रस्ट सहारनपुर द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित करके किया।

शेरे हिन्द विजयकान्त चैहान जूनियर भगत सिंह ने नवीन दायित्व मिलने पर( राष्ट्रार्पण ) संगठन राष्ट्रीय सयोजक राजकिशोर व अधिवेशन में देशभर से आये समस्त सन्तो महापुरुषों समाजसेवियों व बरेली की महानगर जिला इकाई का हार्दिक आभार व धन्यवाद प्रकट किया विजयकान्त ने कहा कि (राष्ट्रार्पण)के स्वर्णिम सशक्त व सनातन राष्ट्र को गति देने के संकल्प ओर उद्देश्यों को पूर्ण करने में हम तन मन धन जीवन पुष्प अर्पण कर पूर्ण समर्थन और सहयोग निरन्तर करते रहेंगे अखण्ड भारत गौहत्या मुक्त भारत आतंकवाद मुक्त सम्रद्ध शक्तिशाली राष्ट्र भारत बनाने में देश धर्महीत सदैव मर मिटने ओर युवाओ को क्रान्तिवीरो के पद चिन्हों पर चलने हेतु प्रेरित करने का कार्य अंतिम सांस तक जारी रखेंगे।

अधिवेशवन में राष्ट्रीय संयोजक राजकिशोर ने प्रस्तावना रखते हुए संगठन की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रार्पण का उद्देश्य स्वर्णिम सशक्त स सनातन राष्ट्र को गति देना है।

पूज्य माँ योग योगेश्वरी महामंडलेश्वर जी ने कहा कि सनातन की रक्षा और सुरक्षा ओर प्रचार प्रसार हम सभी सनातन हिन्दुओ की जिम्मेदारी है गाय सनातन का आधार स्तम्भ है। गाय की सेवा रक्षा से भगवान कृष्ण प्रसन्न होते है गाय की रक्षा से ही सनातन की रक्षा होगी

राष्ट्रीय कवि मनवीर मधुर ने भी अपनी ऐतिहासिक कविताओं से अधिवेशवन में राष्ट्रभक्ति ओर सनातन को गति देने के लिए युवाओ को प्रेरित

# फ्री स्माइल फाउंडेशन ने मीठे शीतल जल की छबील लगायी

भारत संवाद

सहारनपुर। फ्री स्माइल फाउंडेशन के द्वारा छबील लगाकर मीठे शरबत का वितरण किया गया। भीषण गर्मी में लोगों व राहगीरो ने मीठा शरबत पीकर फ्री स्माइल फाउंडेशन के कार्यों की प्रशंसा की ।फ्री स्माइल फाउंडेशन के द्वारा मल्हीपुर रोड पर एक छबील का आयोजन किया गया। जिसमें राहगीरो व लोगों को मीठे शरबत का वितरण किया गया। फ्री स्माइल फाउंडेशन के फाउंडर रवि त्यागी ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए फ्री स्माइल फाउंडेशन के द्वारा छबील लगाकर मीठे शरबत का वितरण किया गया। उन्होंने फ्री स्माइल फाउंडेशन के द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फ्री स्माइल फाउंडेशन की तरफ से वृक्षारोपण , स्टील बोतल डिस्ट्रीब्यूशन, अवेयरनेस कैंप स्कूलों में और गांव में तथा देश के अनेक शहरों में और भी इसी तरह के कार्य किए जाते हैं। छबील में फ्री स्माइल फाउंडेशन के कई पदाधिकारीयो ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लेकर अपना सहयोग किया।

फास्ट ट्रैक

# भाकियू चौधरी चरण सिंह के सैकड़ो किसान हरिद्वार चिंतन शिवर के लिए हुए रवाना

बहादुर सिंह संवादाता गोंडा/ भारत संवाद

अलीगढ़। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के सैकड़ो कार्यकर्ता हरिद्वार में होने वाले किसान राष्ट्रीय चिंतन शिवर के लिए, राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो, प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी रविंदर सिंह, जिलाध्यक्ष अमर नौहबार मंडल अध्यक्ष निधि राज यादव के नेतृत्व में होने वाले तीन दिवसीय किसान चिंतन शिवर 19,20 ,21, जून के लिए रवाना हुए रास्ते में गभाना टोल पर भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी व महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रामवती सिंह का स्वागत किया इस मौके पर सुनीत चौधरी चौधरी केहरी सिंह राकेश सिरोही सीटू चौधरी जयप्रकाश भारद्वाज कौशल चौधरी नरेंद्र सिंह हरवीर सिंह कृष्णपाल सिंह नारायण सिंह बलबीर सिंह सहित सैकड़ो किसान साथ थे।

## जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में विकास कार्यों/50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक उ0प्र0 सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से हुई आयोजित।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कुछविभागों की रैंक में गिरावट आने पर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य कराते हुए रैंक और बेहतर करने के दिये गये सख्त निर्देश।

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता, मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक व प्रशिक्षु आई.ए.एस. रिदम आनन्द की उपस्थिति में नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों व 50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक उ0प्र0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विभागवार संचालित परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा सम्बन्धित विभाग के अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि की उपस्थिति में की गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान पीएम सूर्य घर योजना के तहत लक्ष्य के अनुरूप प्रगति कम होने तथा रैंक प्रभावित होने पर पीओ नेडा को निर्देशित किया गया कि लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाते हुए सुधार लाये। जिलाधिकारी महोदय द्वारा विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान 74वीं रैंक होने पर सम्बन्धित अधिशाषी अभियन्ता को कड़ी फटकार लगाते हुए फीडिंग सही कराने के निर्देश दिये गये। उन्होंने निर्देशित किया कि अगले माह की समीक्षा बैठक से पहले रैंक में सुधार लाये, अन्यथा की स्थिति में कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी ।डीएम द्वारा आवास विकास की समीक्षा बैठक के दौरान जनपद की रैंक में गिरावट आने पर सम्बन्धित को निर्देशित किया कि अगले 15 दिनों में प्रभावी कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें, जिससे रैंक में सुधार हो सके। जिलाधिकारी महोदय द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपकरण रखरखाव में रैंक खराब होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। जल जीवन मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत समीक्षा के दौरान एक्सईएन जल जीवन मिशन को प्रदेश में 53वीं रैंक होने पर उन्हें निर्देशित किया कि कार्य में प्रगति लाते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य कराकर रैंक में और बेहतर सुधार लायें ।इसी प्रकार जिलाधिकारी महोदय द्वारा लोक निर्माण विभाग की सीएम डैशबोर्ड पर रैंक में सुधार लाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने बेसिक शिक्षा, पर्यटन, जल जीवन मिशन, सेतु निर्माण, लोक निर्माण विभाग, ओ0डी0ओ0पी0, कन्या सुमंगला योजना, पंचायती राज विभाग आदि विभागों की सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से प्रगति समीक्षा की गयी। उन्होंने सभी सम्बन्धित विभागाध्यक्षों/कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जिन विभागों की रैंक इस माह में घटी है वे पुनः सुधार लाएं तथा जिन विभागों की रैंक सीएम डैशबोर्ड पर शीर्ष पर हैं वे उसे बनाए रखें। निराश्रित महिला पेंशन, कृत्रिम गभार्धान, अंडा उत्पादन में जनपद की रैंक प्रथम है।

# डीएम ने विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

## सौर ऊर्जा, छात्रवृत्ति, चिकित्सा, कृषि, जल, खेल और पेंशन योजनाओं में लाएं तेजी

भारत संवाद

अलीगढ़, (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलैक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक में योजनाओं की प्रगति को लेकर गहन मंथन किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति और जनहित में पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

### पीएम सूर्य घर योजना में तेजी लाने के निर्देश

नेडा द्वारा जून माह तक 2800 सोलर प्लांट स्थापित किए जाने थे, परन्तु अब तक मात्र 1632 प्लांट ही लगाए गए हैं। डीएम ने शिक्षा विभाग, नगर निगम सहित सभी विभागों को कर्मचारियों एवं आमजन को प्रेरित कर स्थापना कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बिजली विभाग को निर्देशित किया गया कि नेट मीटरिंग के नाम पर उपभोक्ताओं को परेशान न किया जाए।

### बिजली आपूर्ति में बाधाओं को शीघ्र दूर करें

तेज आंधी-पानी से विद्युत लाइनों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर जिलाधिकारी ने कहा कि ट्रांसफार्मर एवं तारों की मरम्मत युद्ध स्तर पर कराई जाए ताकि आमजन को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सके।

### छात्रवृत्ति एवं प्रतिपूर्ति प्रकरणों में समाधान की पहल:

दशमोत्तर छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की समस्याओं को देखते हुए समाज कल्याण अधिकारी को शासन को पत्राचार कर त्वरित समाधान हेतु निर्देशित किया गया।

### कृषि एवं मनरेगा में सुधार पर बल:

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि धान का बीज वितरण पूर्ण हो गया है तथा उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। डीएम ने डीसी मनरेगा को मानव दिवस सृजन में वृद्धि करने के निर्देश दिए।

### स्वास्थ्य व्यवस्था और जल जीवन मिशन में तीव्रता लाएं

सीएमओ को निर्देशित किया गया कि प्रशासनिक कार्यों में लगे डॉक्टर ओपीडी भी करें, साथ ही सीएचसी की नियमित निगरानी और स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, आयुष्मान केंद्रों एवं घरों में नल कनेक्शन एक माह में पूर्ण कर जनपद की रैंकिंग में सुधार के निर्देश दिए।

# करो योग रहो निरोग-अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत के लिए राष्ट्रीय पर्व हैः शीतल टण्डन

भारत संवाद

सहारनपुर ।21 जून को विश्व भर में मनाये जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने तथा इसके प्रचार व प्रसार के कार्यक्रमों की श्रृंखला में उ.प्र. उद्योग व्यापार मण्डल की जिला इकाई के प्रमुख पदाधिकारियों की एक बैठक स्थानीय रेलवे रोड जिला मुख्यालय कार्यालय पर हुई, जिसमें व्यापारी प्रतिनिधियों द्वारा योग के कार्यक्रमों में इस वर्ष की योग दिवस की थीम एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर बैठक को सम्बोधित करते हुए व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन व जिला महामंत्री रमेश अरोडा ने कहा कि पूरे विश्व में 21 जून को मनाया जा रहा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत के लिए एक राष्ट्रीय पर्व है, क्योंकि दुनिया ने योग को पहचाना है और भारत ही नहीं पूरे विश्व में स्वस्थ रहने के लिए योग की क्रिया श्रेष्ठ है। श्री टण्डन ने कहा कि 20वीं सदी में जब योग को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति मिलनी शुरू हुई तो इस पर सम्पन्न अनेक वैज्ञानिक शोधों ने यह साबित कर दिया कि आधुनिक जीवन में मानव को शारीरिक एवं मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रखने में योग ही सक्षम हैं और योग दिवस के कारण विश्व में भारतीय संस्कृति की विशेषता साबित हुई है। उन्होंने कहा कि व्यापार मण्डल द्वारा योग को और अधिक लोकप्रिय व संचालित बनाने में न केवल नगर जिला स्तर पर बल्कि प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा तथा योगगुरू रामदेव व योगगुरू पदमश्री भारत भूषण व योगाचार्य गुलशन जी की प्रेरणा और करो योग रहो निरोग के नारे से पूरे देश की व्यापारी युवा शक्ति व समाज के सभी वर्गों के लोग उत्तम स्वास्थ्य के लिए योग को अपना रहे हैं। यह देश की आने वाली पीढी के लिए सकारात्मक परिणाम देगा। श्री टण्डन ने कहा कि हम सबको स्वस्थ जीवन के लिए योग को दैनिक क्रिया में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह एक अदभूत व अकल्पनीय है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित कोई अंतर्राष्ट्रीय दिवस वैश्विक आंदोलन बन जाए। मात्र 11 वर्ष की अवधि में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आहवान पर उसकी विषय वस्तु विश्व भर की जीवन शैली का भाग बन जाएं और योग पथ एक दिग्विजय रथ बन जाए। यह हम सब भारतीयों के लिए गौरव की बात है। श्री टण्डन ने कहा कि व्यापार व लेन-देन में योग का बहुत महत्वपूर्ण है। व्यापारी की खाता बहियों के योग का मिलान तब तक नहीं होता और तब तक खाता बही भी अधूरी रहती है। वास्तव में मनुष्य के लिए जीवन में योग ही श्रेष्ठ है।

# अलीगढ जनपद के गांव जारौठ के समीप ट्रक की टक्कर से बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल

## चौकी प्रभारी अनिल कुमार ने निजी खर्चे पर घायलों को टेम्पो से भेजा अस्पताल

भारत संवाद

अलीगढ़। गुरुवार को अलीगढ़ मथुरा मार्ग स्थित गांव जारौठ पर अलीगढ़ की ओर से इगलास की तरफ जा रही बाइक को पीछे से आए ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली इगलास की पुलिस चौकी हस्तपुर प्रभारी अनिल कुमार मौके पर पहुंचे और आनन फानन में अपनी जेब से टेम्पो मंगाकर घायलों को तत्काल उपचार हेतु अलीगढ़ भेज दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गुरुवार को सुबह करीब 11 बजे समीम व फरीम पुत्रगण अनीश निवासी नीवरी थाना रोरावर ( अलीगढ़ ) एसी व फ्रिज के मिस्त्री है जो साथिनी ( इगलास ) किसी के फ्रिज की मरम्मत करने के लिए बाइक संख्या नामालूम पर सवार होकर जा रहे थे अलीगढ़ से करीब 12 किमी दूर स्थित गांव जारौठ के समीप पहुंचे ही थे कि उनकी बाइक से आगे चल रही डग्गेमार मिनी बस संख्या यूपी 81 ए एफ 2667 के चालक ने अचानक बस के ब्रेक मार दिए और बाइक के पीछे आ रहे ट्रक संख्या यूपी 67 ए टी 2355 ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक क्षतिग्रस्त हो गई तथा बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी पाकर हस्तपुर चौकी प्रभारी अनिल कुमार मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे और सर्व प्रथम घायलों को अपने निजी खर्चे पर टेम्पो करके उपचार हेतु भेजा। ट्रक और मिनी बस के चालक मौके से फरार हो गए हैं। घटना की रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है।

# चिकित्सा कार्य से ज्यादा सेवा भाव को प्रमुखता देते थे डाक्टर धर्मपाल शर्मा

आकाश शर्मा, भारत संवाद

अलीगढ़ः अपने चिकित्सा कार्य से भी अधिक सेवा भाव को प्रमुखता देते थे स्वर्गीय डाक्टर धर्मपाल शर्मा, अपने चिकित्सा कार्य में उन्होंने गरीबों एवं जरूरतमंद लोगों की हमेशा मदद की, समाज को हमेशा उनकी कमी खलती रहेगी, यह बातें श्री ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष एवं संस्थापक गौरी शंकर शर्मा ने श्री ब्रह्म भट्ट ब्राह्मण सभा अलीगढ़ के संरक्षक एवं ग्रामीण पत्रकार यूनियन के जिला अध्यक्ष सुखवीर शर्मा जी के बड़े भाई, एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट गंगा सरन शर्मा जी के पिताजी डाक्टर धर्मपाल शर्मा के निधन पर शोकाकुल परिवार को संवेदनाएं व्यक्त करने के दौरान उनके पिसावा स्थित निज निवास पर शोक सभा के दौरान कहीं। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की, एवं डा धर्मपाल शर्मा जी की मौत को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख लोगों में सभा के संरक्षक गुरु प्रसाद शर्मा व राजकुमार शर्मा, महामंत्री नरेश कुमार शर्मा, संगठन मंत्री डा विष्णु दत्त शर्मा, डा रामकुमार शर्मा, चेतन शर्मा, अरुण शर्मा, सुनीता गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

# मल्टीलेवल कार पार्किंग निर्माण कार्य को दो माह के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए -संजीव रंजन, डीएम

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में विकास एवं निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा बैठक कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने समस्त कार्यदाई संस्थाओं को निर्देशित किया कि समस्त निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में विभागीय समन्वय की कमी किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए। कार्यों में देरी व असंगत तालमेल आमजन को परेशान करता है। जिलाधिकारी ने मल्टीलेवल कार पार्किंग निर्माण कार्य को दो माह के भीतर हर हाल में पूरा किए जाने का निर्देश संबंधित एजेंसी को दिया ।जलभराव की समस्या को देखते हुए डीएम ने महेन्द्र नगर, आगरा रोड, रूसा हॉस्पिटल, मैरिस रोड, सुरेंद्र नगर व छर्रा अड्डा की जलनिकासी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा।


**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना सं- 3220252026 दिनांकः 17.06.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक / उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्न लिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डेरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

| | |
|---|---|
| ई निविदा सूचना सं.:3220252026-107 GEM/2025/B/6345280 Dated:17.06.2025 | |
| कार्य का नामः रेलगांव कॉलोनी सूबेदारगंज में क्रिकेट मैदान का रखरखाव। | |
| अनुमानित लागत(₹ मे): ₹ 12,81,720.00 | अमानत राशि (₹ मे): ₹ 25,630.00 |
| निविदा बंद होने की तिथिः 09.07.2025 को 12.00 बजे | कार्य समापन की अवधिः 24 माह |
| कार्य की प्रकृतिः क्रिकेट मैदान/खेल मैदान का निर्माण / रखरखाव । | |

नोटः-1. पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट www.Gem.gov.in पर देखें। 1052/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

**ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का संचालन**

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ी संख्याः 09617/09618 दौराई - समस्तीपुर (सप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

| गाड़ी सं. 09617 दौराई - समस्तीपुर | | | गाड़ी सं. 09618 समस्तीपुर - दौराई | |
|---|---|---|---|---|
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| ------ | 20:45 | दौराई | 06:15 | ------ |
| 03:00 | 03:05 | ईदगाह आगरा जं. | 22:40 | 22:45 |
| 04:05 | 04:10 | टूण्डला जं. | 21:50 | 21:55 |
| 05:28 | 05:30 | इटावा जं. | 20:35 | 20:37 |
| 07:35 | 07:40 | गोविन्दपुरी | 18:20 | 18:25 |
| 10:35 | 10:40 | प्रयागराज जं. | 15:50 | 15:55 |
| 12:10 | 12:15 | मिर्जापुर | 12:18 | 12:20 |
| 23:15 | ------ | समस्तीपुर जं. | ------ | 01:00 |

दौराई सेः गाड़ी सं. 09617, शुक्रवार दिनांक- 20.06.2025 एवं 27.06.2025, समस्तीपुर सेः गाड़ी सं. 09618, रविवार दिनांक- 22.06.2025 एवं 29.06.2025. गाड़ी संरचनाः वातानुकूलित द्वितीय श्रेणीः 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणीः 02, स्लीपर श्रेणीः 10, सामान्य श्रेणीः 04

नोट– ट्रेन की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1060/25(DG)

**उत्तर मध्य रेलवे**

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 10/2025 दिनांक 17.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ०म०रे०, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई–प्रापण निविदा आमंत्रित करते है।

| | |
|---|---|
| क्रमांक – 1. | निविदा संख्या – 19255600 |
| विवरण – 05 वाट वी एच एफ डिजिटल वाकी टॉकी सेट | मात्रा – 200 नग |
| ई.म.डी. रु० – 1,14,880 | निविदा खुलने की तिथि – 22.07.2025 |

नोटः– 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारुप मे बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1056/25 (D)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

**उत्तर मध्य रेलवे**

ई-निविदा सं0: पी आर वाइ जे-सिग-008-2025-26 दिनांक : 18.06.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

| क्र.सं. | निविदा नं. | कार्य का विवरण |
|---|---|---|
| 1 | 008 | (ए) एडीईएन/फतेहपुर के अन्तर्गत प्रयागराज-कानपुर सेक्शन में विभिन्न यार्डों के सुधार के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य (15 यार्ड), (बी) एडीईएन/एल/प्रयागराज के अन्तर्गत प्रयागराज-कानपुर सेक्शन में विभिन्न यार्डों के सुधार के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य (15 यार्ड), (सी) एडीईएन/चुनार और मिर्जापुर के अन्तर्गत दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज सेक्शन में विभिन्न यार्डों के सुधार के लिये ट्रैक नवीनीकरण कार्यों का प्रावधान (18 यार्ड) और (डी) एडीईएन/चुनार के अन्तर्गत चुनार-चोपन में विभिन्न यार्डों के सुधार के लिये ट्रैक नवीनीकरण कार्य (08 यार्ड)। |
| | अनुमानित मूल्यः 15624926.71 | बिड सिक्यूरिटीः 228100.00 |
| | निविदा प्रपत्र का मूल्यः 0.00 | कार्य समापन की अवधिः बारह माह |
| | निविदा खुलने की तिथिः 15.07.2025 | |
| 2 | निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। | |
| 3 | निविदा खुलने का समय, तथा स्थानः निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जाएगी। 1058/25 (ADM) | |

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR


भारत संवाद परिवार 1–संरक्षक–भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2–संरक्षक–भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3–संरक्षक–भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4–कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5–उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1–ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक– अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०–9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

**कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।**

# कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

## अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

## अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

## जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

## अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

## जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

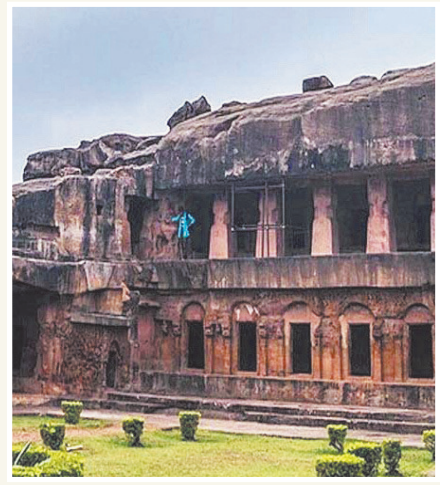

## ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

# ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

**कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।**

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

## 1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फपंजाबी वर्सायफ के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं।

महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

## 2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

## 3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

## 4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

## 5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

## 6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

## 7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

## 8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

# ट्रम्प की पाकिस्तान आर्मी चीफ से बंद कमरे में मुलाकात

## आसिम मुनीर बोले- अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल प्राइज मिलना चाहिए, उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाया

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से बंद कमरे में मुलाकात की। दोनों ने व्हाइट हाउस के कैबिनेट रूम में साथ लंच किया। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की है। यह मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था। आसिम मुनीर अभी अमेरिका के दौरे पर हैं। ट्रम्प से उनकी मुलाकात से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से 35 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान मोदी ने साफ कहा था कि 7 से 10 मई तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के

बीच बातचीत के बाद सीजफायर हुआ था। किसी बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से नहीं। मुनीर की तारीफ में ट्रम्प बोले- संघर्ष रोकने में इनकी अहम भूमिका मुनीर से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने व्हाइट हाउस लॉन में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, 'इस आदमी ने पाकिस्तान की तरफ से इसे (भारत-पाकिस्तान लड़ाई) रोकने में अहम भूमिका निभाई।' ट्रम्प ने बताया कि मुनीर के साथ उनकी ईरान-इजराइल संघर्ष पर भी चर्चा हुई। मुनीर से मुलाकात से पहले भी ट्रम्प ने मीडिया से बात की थी। तब उन्होंने कहा, 'मैंने उन्हें (मुनीर) यहां इसलिए बुलाया है क्योंकि मैं उन्हें भारत के साथ युद्ध में नहीं उतरने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जो कुछ दिन पहले ही यहां से गए हैं।' ट्रम्प ने कहा, 'हम भारत और पाकिस्तान के साथ व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। इन दो बहुत ही चतुर लोगों (पीएम मोदी और आसिम मुनीर) ने एक टकराव रोकने का फैसला किया जो परमाणु युद्ध बन सकता था। पाकिस्तान और भारत दो बड़ी परमाणु शक्तियां हैं।' अमेरिका में मुनीर के खिलाफ पाकिस्तानियों ने नारेबाजी की इससे पहले मुनीर ने मंगलवार को वॉशिंगटन में पाकिस्तानी समुदाय को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा- भारत पहलगाम हमले का इल्जाम पाकिस्तान पर लगाकर सीमा उल्लंघन कर रहा है। हम शहादत स्वीकार करेंगे, लेकिन अपमान नहीं। मुनीर ने ईरान-इजराइल युद्ध खत्म करने की वकालत की और अमेरिका के साथ आतंकवाद विरोधी साझेदारी की तारीफ की। हालांकि पाकिस्तानियों को संबोधित करने के दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। अमेरिकी-पाकिस्तानी नागरिकों ने मुनीर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें तानाशाह और कातिल बताया।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प से मुलाकात मुनीर के असली शासक होने की मान्यता विदेश मामलों के जानकार और किंग्स कॉलेज लंदन में प्रोफेसर हर्ष वी. पंत का कहना है कि एक लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति ट्रम्प ने पाकिस्तान के सैन्य शासक मुनीर से मुलाकात कर यह मान्यता दे दी है कि मुनीर ही असली शासक हैं। भारत ने जिस मुनीर को पहलगाम हमले का आरोपी बताया है, उस मुनीर से लंच और बातचीत ट्रम्प की शातिराना हरकत से कम नहीं है।

# ईरान का एटमी प्लांट तबाह करना आसान नहीं

## जमीन से 295 फीट नीचे बनी फोर्डो लैब, केवल अमेरिकी विमान और बम से हमला मुमकिन

एजेंसी

तेल अवीव / तेहरान, ईरान और इजराइल के संघर्ष के बीच दुनिया की नजर ईरान के फोर्डो फ्यूल एनरिचमेंट प्लांट पर टिक गई है। यह ईरान की एक पहाड़ी में 295 फीट, यानी लगभग 90 मीटर गहराई में मौजूद है। इसकी बनावट और रणनीतिक लोकेशन ऐसी है कि कोई भी देश इसे हवाई हमले से तबाह नही कर सकता है। फोर्डो के अड्डे तक पहुंचने के लिए पांच सुरंगों को काटकर गहराई में बंकरनुमा सुविधाएं बनाई गई हैं। इसका कंट्रोल परमाणु ऊर्जा संगठन (ईएओआई) के पास है।, ये नतांज के बाद ईरान का दूसरा यूरेनियम प्यूरिफिकेशन प्लांट है।

इजराइल लंबे समय से इस अड्डे को खत्म करना चाहता है। इसे तबाह करने में सिर्फ अमेरिका के जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर बंकर-बस्टर बम और इ-2 स्टेल्थ विमान सक्षम हैं, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। इसे तबाह करने के लिए इन बमों को कई बार एक ही जगह पर गिराना होगा। सीक्रेट डॉक्युमेंट्स से फोर्डो एटमी प्लांट का खुलासा 2009 में हुआ। हालांकि, इस प्लांट की असल जानकारी 2018 में तब सामने आई जब इजराइल ने ईरान के परमाणु दस्तावेज चुरा लिए। 55 हजार दस्तावेजों में फोर्डो की योजना, ब्लूप्रिंट और उद्देश्य दर्ज थे। इनमें लिखा था कि संयंत्र में हथियार-ग्रेड यूरेनियम का निर्माण किया जाएगा और हर साल कम से कम 2 परमाणु हथियार बनाए जा सकेंगे। इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी थिंक टैंक के डेविड एलब्राइट के अनुसार, इन दस्तावेजों से साफ था कि ईरान का इरादा परमाणु हथियार बनाना था। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने भी माना कि इस प्लांट का साइज व डिजाइन शांतिपूर्ण उपयोग के अनुरूप नहीं है। यही कारण है कि इजराइल इसे तबाह करने के पीछे पड़ा है। फोर्डो फ्यूल एनरिचमेंट प्लांट (एफएफईपी) को शहीद अली मोहम्मदी न्यूक्लियर फैसिलिटी के नाम से भी जाना जाता है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बना रहे इजराइल पर खुद हथियार रखने के आरोप हैं। आज उसके पास अनुमानित 90 से अधिक परमाणु हथियार हैं और डिमोना स्थित उसके अति-गोपनीय न्यूक्लियर साइट में बड़ी मात्रा में प्लूटोनियम उत्पादन की क्षमता है।

# इलॉन मस्क के स्टारशिप में टेस्ट के दौरान धमाका

## लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई दिया, आस-पास के घरों की खिड़कियां हिल गईं

एजेंसी

टेक्सास, दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क का स्टारशिप-36 रॉकेट टेक्सास के स्टारबेस टेस्टिंग साइट पर अचानक धमाके के साथ फट गया। इसकी लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई दिया। ये धमाका भारतीय समयानुसार आज यानी, 19 जून को सुबह करीब 09:30 बजे हुआ। धमाका उस वक्त हुआ जब 29 जून को होने वाले स्टारशिप के 10वें टेस्ट फ्लाइट से पहले रॉकेट का दूसरा स्टैटिक फायर टेस्ट चल रहा था। इस टेस्ट में रॉकेट को जमीन पर ही रखकर उसके इंजन को चालू किया जाता है, ताकि लॉन्च से पहले सब कुछ ठीक हो, ये चेक किया जा सके। टेस्ट शुरू होने से ठीक पहले, रॉकेट के ऊपरी हिस्से में, जहां फ्यूल टैंक होते हैं, अचानक विस्फोट शुरू हुआ। देखते ही देखते पूरा रॉकेट आग के गोले में बदल गया। आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां हिल गईं। इस धमाके का जो वीडियो सामने आया है उसमें दिख रहा है कि रॉकेट के नोज यानी, ऊपरी हिस्से से अचानक आग की लपटें निकलती हैं और फिर पूरा रॉकेट धमाके के साथ फट जाता है। स्पेसएक्स ने इस हादसे के बाद बयान जारी कर बताया कि टेस्ट साइट के

आसपास पहले से ही सुरक्षा का पूरा इंतजाम था। सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं और आसपास के इलाकों में रहने वालों को भी कोई नुकसान नहीं हुआ। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि वो टेस्ट साइट के पास न जाएं, क्योंकि अभी भी वहां आग बुझाने और सफाई का काम चल रहा है। कैमरन काउंटी के शेरिफ ऑफिस और स्थानीय पुलिस ने भी पुष्टि की कि कोई घायल नहीं हुआ। फायर डिपार्टमेंट की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की, लेकिन रॉकेट और टेस्ट साइट को हुआ नुकसान इतना ज्यादा है कि स्पेसएक्स को अब अपनी 10वीं टेस्ट फ्लाइट की योजना पर फिर से काम करना पड़ेगा। नासा स्पेसफ्साइट यूट्यूब चैनल पर ये टेस्ट लाइव दिखाया जा रहा था। इस दौरान कमेंट्री में बताया गया कि फ्यूल लोडिंग प्रक्रिया शुरू होने के लगभग 30 मिनट बाद विस्फोट हुआ। स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान रॉकेट के इंजन को लॉन्च माउंट से जुड़े रहते हुए चालू किया जाता है। टेस्ट में रॉकेट के छह रैप्टर इंजनों को एक साथ चालू करना था। इलॉन मस्क ने कहा- प्रारंभिक डेटा से पता चलता है कि पेलोड बे में मौजूद नाइट्रोजन सीओपीवी अपने प्रूफ प्रेशर से कम दबाव में फेल हो गया। सीओपीवी एक तरह का खास दबाव वाला कंटेनर होता है। इसका काम नाइट्रोजन, हीलियम, या ऑक्सीजन जैसी गैसों को बहुत ज्यादा दबाव में स्टोर करना है। रॉकेट के पेलोड बे में नाइट्रोजन गैस स्टोर करने के लिए सीओपीवी यूज होता है। वहीं प्रूफ प्रेशर वह दबाव है, जिसके तहत किसी कंटेनर को टेस्ट किया जाता है ताकि यह चेक किया जाए कि वह सुरक्षित है या नहीं। इस साल स्टारशिप के टेस्ट में लगातार असफलताएं मिल रही हैं। सातवें, आठवें और नौवें टेस्ट फ्लाइट में भी रॉकेट या तो उड़ान के दौरान फट गया

# पुतिन, शी ईरान-इजराइल युद्ध पर सूचना साझा करने को सहमत हुए

एजेंसी

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय एवं आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने बृस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ईरान-इजराइल युद्ध पर संवेदनशील जानकारी एक दूसरे को मुहैया करने के लिए सहमत हुए हैं। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन और शी चिनफिंग ने फोन पर घंटे भर हुई बातचीत के दौरान अपनी-अपनी एजेंसियों को ईरान के बारे में जानकारी साझा करने के आदेश जारी करने पर सहमति जताई। पिछले हफ्ते इजराइल ने

> क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन और शी चिनफिंग ने फोन पर घंटे भर हुई बातचीत के दौरान अपनी-अपनी एजेंसियों को ईरान के बारे में जानकारी साझा करने के आदेश जारी करने पर सहमति जताई।

ऑपरेशन राइजिंग लॉयन शुरू किया था, जिसमें ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। बाद में, ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले किए। बुधवार को रूस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इजराइल-ईरान युद्ध को तत्काल समाप्त करने और तेहरान के परमाणु मुद्दे का हल करने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने की अपील की थी। क्रेमलिन के अनुसार, राष्ट्रपति पुतिन ने यूएई के अपने समकक्ष मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की।

# शशि थरूर ने कांग्रेस के साथ मतभेदों को किया स्वीकार

## कहा- 'समय आने पर आंतरिक रूप से उठाएंगे कदम'

एजेंसी

नीलांबुर उपचुनाव के दिन सांसद शशि थरूर ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मीडिया से कहा कि पार्टी ने उन्हें नीलांबुर में प्रचार के लिए नहीं बुलाया। थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन्हें बुलाया जाता तो वे जाते। थरूर ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद हैं और इस मामले पर पार्टी में चर्चा की जाएगी।चर्चा का विषय यह रहा कि यूडीएफ उम्मीदवार आर्यदान शौकम के लिए प्रचार करने नीलांबुर आने के बावजूद सभी वरिष्ठ नेताओं और अधिकांश कांग्रेस सांसदों ने थरूर से मुलाकात नहीं की।ऐसी खबरें थीं कि राष्ट्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व थरूर के नए कदमों से नाखुश हैं।ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी से आंतरिक आलोचना हुई22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों को उजागर करने के लिए अमेरिका में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थरूर को ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करने वाली उनकी टिप्पणियों के लिए कुछ कांग्रेस नेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क में, थरूर ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय से कहा कि भारत की सीमा पार सैन्य प्रतिक्रिया एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव को दशार्ती है।

> नीलांबुर उपचुनाव के दिन सांसद शशि थरूर ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मीडिया से कहा कि पार्टी ने उन्हें नीलांबुर में प्रचार के लिए नहीं बुलाया। थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन्हें बुलाया जाता तो वे जाते।

उन्होंने कहा, 2016 के उरी हमले के बाद पहली बार भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला करने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार की। यहां तक कि कारगिल युद्ध के दौरान भी हमने एलओसी पार नहीं की।कांग्रेस नेताओं ने किया पलटवारउनके बयान पर पार्टी के सहयोगियों ने तीखी आलोचना की। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे यूपीए शासन के दौरान की गई सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र कर रहे हैं, जिसमें थरूर को टैग करते हुए एक तीखा, मौन जवाब दिया गया है।संचार मामलों के प्रभारी पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने विदेशी प्रतिनिधिमंडलों में थरूर जैसे विपक्षी नेताओं को शामिल करने के लिए मोदी सरकार की आलोचना की, इसे ।स्ता राजनीतिक खेल कहा और केंद्र पर उचित परामर्श को दरकिनार करने का आरोप लगाया।

# पड़ोस में ही मिसाइल, बम गिर रहे थे ...

## भारतीय छात्रों ने ईरान के भयावह हालात को याद किया, सुनाई अपनी आपबीती

> हमारे पड़ोस में ही आसमान से मिसाइलें गिर रही थीं, बमबारी हो रही थी। यह कहना था युद्धग्रस्त ईरान से निकाले जाने के बाद बृहस्पतिवार को वतन लौटे एमबीबीएस छात्र मीर खलीफ का जिनकी लड़खड़ाती आवाज में वहां (ईरान) के भयावह हालात का डर साफ महसूस हो रहा था।

एजेंसी

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत 110 भारतीय नागरिकों को लेकर पहली निकासी उड़ान गुरुवार को येरेवन, आर्मेनिया से नई दिल्ली पहुंची। भारत ने ऑपरेशन सिंधु की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य ईरान से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और निकासी सुनिश्चित करना था। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि तेहरान में रहने वाले भारतीय छात्रों को भारतीय दूतावास के समन्वय के माध्यम से शहर से सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया है। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक संचार में कहा, ₹भारतीय दूतावास द्वारा की गई व्यवस्था के माध्यम से सुरक्षा कारणों से तेहरान में भारतीय छात्रों को शहर से बाहर निकाल दिया गया है।₹ भारतीय छात्रों ने ईरान के भयावह हालात को याद कियाहमारे पड़ोस में ही आसमान से मिसाइलें गिर रही थीं, बमबारी हो रही थी। यह कहना था युद्धग्रस्त ईरान से निकाले जाने के बाद बृहस्पतिवार को वतन लौटे एमबीबीएस छात्र मीर खलीफ का जिनकी लड़खड़ाती आवाज में वहां (ईरान) के भयावह हालात का डर साफ महसूस हो रहा था।खलीफ, उन 110 भारतीय छात्रों में से एक हैं जो बृहस्पतिवार को सुबह-सुबह पहली निकासी उड़ान से राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे।ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत इन छात्रों को भारत लाया गया।जम्मू-कश्मीर के 90 छात्र सहित इन सभी को ईरान के शहरों में विस्फोट और हवाई हमले के मद्देनजर इस सप्ताह की शुरूआत में तेहरान से आर्मेनिया ले जाया गया था। बचाव अभियान में समन्वय भारतीय दूतावास द्वारा किया गया। खलीफ ने ईरान की भयावह यादों को एक बुरा सपना बताया और उन्हें पहले आर्मेनिया पहुंचाने, फिर वतन वापसी के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हमने मिसाइलें गिरती देखी। युद्ध हो रहा था। हमारे पड़ोस में बमबारी हो रही थी। हम बेहद डर गए। मैं दुआ करता हूं कि हमें ऐसे दिन फिर कभी न देखने पड़ें।खलीफ ने कहा, ईरान में अभी भी छात्र फंसे हैं। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि उन्हें भी जल्द भारत लाया जाएगा।

# आरएसएस -नीतीश को हटाओ, तेजस्वी को सीएम बनाओ :लालू

## मीटिंग में राबड़ी का पीएम पर तंज- जो अकेले रहता है, वह परिवार ...

एजेंसी

पटना , पटना के ज्ञान भवन में में राष्ट्रीय जनता दल की राज्य परिषद की बैठक हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा, 'चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं। जो मेहनत करेगा पार्टी उसे ही अपना उम्मीदवार बनाएगी।' उन्होंने कहा, 'रात दिन तेजस्वी यादव मेहनत कर रहे हैं। पार्टी को मजबूत कर रहे हैं। हर हाल में तेजस्वी को पार्टी की तरफ से उट फेस बनाए रखना है। सब लोग मिलकर तेजस्वी को सीएम बनाइए।'जो लोग अकेले रहते हैं वो परिवारवाद की बात करते हैं- राबड़ी देवीराबड़ी देवी ने पीएम मोदी पर बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा- 'जो लोग अकेले रहते हैं वो परिवारवाद की बात करते हैं। जो अकेले रहता है वो परिवार क्या जाने, परिवारवाद की बात करता है।''तेजस्वी जो तय किए हैं, वही करना है। हम लोग उनके साथ हैं। पूरा बिहार परिवार हमारा है। जिसको जितना गाली देना है गली देते जाइए। सब को एक जुट रहना है।''कैसे-कैसे लोग सरकार में हैं। यह महा जंगल राज नहीं राक्षस राज है। रोड पर कोई चल नहीं पा रहा, घर में घुस-घुसकर मारा जा रहा है।सारा काम सरकार का लोग कर रहे हैं।' 'मीडिया को सरकार का कुछ नहीं दिखता है। हम लोग के राज में में कुछ होता है तो एक महीना दिखाता है सब।

# यूपी के 45 शहरों में जोरदार बारिश, सड़कें बनीं तालाब

> बीते 24 घंटे में 45 जिलों में 5.3 मिमी बारिश हुई है। वैज्ञानिकों ने 3.3 मिमी बारिश की संभावना जताई थी, हालांकि 42 फीसदी अधिक हुई है। सबसे ज्यादा बारिश फिरोजाबाद में 80 मिमी रिकॉर्ड हुई। प्रदेश में एक जून से अब तक औसतन 31.2 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। जबकि मौसम विभाग के मुताबिक अब तक 39.1 मिमी बारिश हो जानी चाहिए।

## कानपुर में एक घंटे बरसात, औरैया में मां-बेटे नाले में गिरे, चारपाई पर लादकर ले गए मरीज

एजेंसी

उत्तर प्रदेश , यूपी में दक्षिण-पश्चिम मानसून का असर दिखने लगा है। गुरुवार को कानपुर, कानपुर देहात, उन्नाव, हाथरस, मथुरा, लखीमपुर, सोनभद्र और ललितपुर में जोरदार बारिश हुई। सड़कों पर पानी भर गया। कानपुर में साढ़े 5 बजे मौसम बदल गया। यहां करीब एक घंटे में 7.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। तापमान में 9 डिग्री की गिरावट आई है। दोपहर में तापमान 39.7 डिग्री था, बारिश के बाद 30 डिग्री के करीब पहुंच गया। यहां गर्मी-उमस के चलते हीट इंडेक्स 58 पहुंच गया था, जो रेड जोन में आता है। बारिश से राहत मिली है। उन्नाव में

30 मिनट की बारिश से सड़कें तालाब बन गईं। सफीपुर में सड़कों पर 2 फीट पानी भर गया। दुकानों में भी पानी घुस गया। बाइक और पैदल जाने वालों को परेशानी हुई। माखी थाना क्षेत्र के शिव बक्स खेड़ा गांव में बिजली गिरने से महिला की मौत हो गई। औरैया में बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। लोग उसे चारपाई पर लादकर अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया। यहां एक महिला अपने बेटे को बचाने में नाले में गिर गई। आगरा में सुबह से बादल छाए थे। शाम करीब 5 बजे बूंदाबांदी शुरू हुई, जोकि अब तक जारी है। अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 25 जून तक आंधी और बारिश की संभावना है।

मथुरा में भी पूरी रात रुक-रुक कर बारिश होती रही। इसके चलते संत प्रेमानंद महाराज ने पदयात्रा स्थगित कर दी। उनके दर्शन के लिए घंटों से खड़े भक्त मायूस होकर लौट गए। लखीमपुर खीरी-फरुर्खाबाद में सुबह मानसून की पहली बारिश हुई। हाथरस में बुधवार रात 1 बजे से सुबह 7 बजे तक यानी 6 घंटे लगातार बारिश हुई। सड़कें जलमग्न हो गईं। गलियों में जलभराव हो गया। कोतवाली में घुटनों तक पानी भर गया। यहां 8.71 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। इधर, नेपाल के पहाड़ों पर हो रही बरसात से श्रावस्ती में हथिया कुंडा नाले में बाढ़ आ गई है। पानी का बहाव तेज है।